चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 183 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 दिसंबर 2024 गुरुवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
9 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

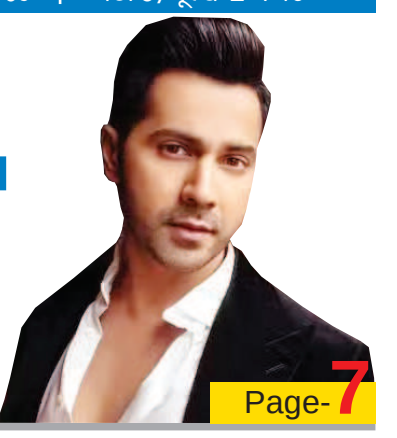

अजमेर दरगाह क्षेत्र में चला बुल्डोजर, मचा हड़कंप

अजमेर, एजेंसी। आज सुबह अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज के 813वें उर्स से पहले दरगाह इलाके में नगर निगम ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की है इससे हड़कंप मचा हुआ है। दरगाह क्षेत्र के अंदरकोट, अढ़ाई दिन का झोपड़ा, दिल्ली गेट सहित अन्य इलाकों में निगम का पीला पंजा चल रहा है। निगम के साथ दरगाह थाना पुलिस और बड़ी संख्या में लाइन का जाप्ता भी मौजूद है। कार्रवाई नालियों और सड़कों पर हुए अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए है। इससे आमजन को भारी परेशानी हो रही थी। कार्रवाई के दौरान कई दुकानदार और स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई उर्स से पहले क्षेत्र को सुचारू और व्यवस्थित बनाने के लिए की जा रही है।

शेयर बाजार चढ़ा और फिर बिखरा...

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार क्रिसमस की छुट्टी के बाद गुरुवार को ग्रीन जोन में ओपन हुआ मगर सेंसेक्स शुरुआत के बाद कुछ ही मिनटों में 400 अंक से ज्यादा चढ़कर कारोबार करता नजर आया, लेकिन घंटेभर बाद ही बाजी पलट गई और तूफानी तेजी गायब हो गई। सेंसेक्स लुढ़ककर महज 20 अंक की बढ़त पर आ गया। निफ्टी भी शुरू में 119 अंक चढ़कर कारोबार कर रहा था लेकिन थमने लगा। इस बीच बैंकिंग शेयरों में तूफानी तेजी जरूर दिखी।

चेतना तीन दिन से बोरवेल के गड्ढे में

जयपुर, एजेंसी। तीन दिन से फंसी तीन साल की चेतना को बोरवेल से निकालने के लिए अब प्रशासन ने रेटमाइनर्स को बुलाया है। एनडीआरएफ इंचार्ज योगेश मीणा ने बताया रेसक्यू के दौरान 155 फीट पर पत्थर आ गया था। इसके बाद पाइलिंग मशीन की बीट चेंज करके 160 फीट तक खुदाई कर ली गई है, लेकिन 170 फीट खुदाई की जरूरत है। इसके बाद बोरवेल तक पहुंचने के लिए हॉरिजेंटल खुदाई मैनुअल की जाएगी। इतनी बड़ी घटना के बाद बावजूद कलेक्टर कल्पना अग्रवाल तीन दिन बाद आज मौके पर पहुंची। इससे स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी दिखी। हालांकि बताया जा रहा है कि कलेक्टर छुट्टी पर गई हुई थीं।

मप्र की यादव सरकार के मंत्री-अफसर कर रहे सामूहिक चर्चा और वन टू वन

चार मिशनः नए साल के लिए कामकाज का रोडमैप बनाने सरकार का बड़ा मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र की मोहन यादव सरकार आज अपने कामकाज पर मंथन करने बैठ गई है। सरकार ने एक साल में क्या काम किया और अगले एक वर्ष में क्या प्राथमिकताएं हों, इस पर मुख्यमंत्री यादव और उनकी टीम मंथन कर रही है। पहले यह बैठक पचम?ी में अटलजी की जयंती के मौके पर प्रस्तावित थी, लेकिन केन - बेतवा लिंक परियोजना के शिलान्यास की वजह से बैठक आज भोपाल में करने का फैसला हुआ। यह मंथन सिलसिला देर शाम तक चलेगा। इसका मुख्य फोकस जनवरी 2025 से शुरू किए जाने वाले चार मिशन युवा, किसान, गरीब और महिला कल्याण पर है। यह विषय पहले सत्र में ही चर्चा में है। इसमें मुख्यमंत्री यादव ने सबसे पहले अपना विजन बताया। मंथन में मंत्री, सीएस और विभागों के एसीएस, पीएस, सचिव व विभागाध्यक्ष शामिल हैं। इसके लिये कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर को चुना गया है। बताया जाता है कि शुरूआती सत्र में मुख्यमंत्री, मंत्रियों, मुख्य सचिव और विभाग के एसीएस व सीएस के बीच चर्चा हुई। एक-एक करके प्रत्येक विभागों पर विस्तार से बात की जा रही है। जनता से सीधे जुडे विभागों पर सीएम का फोकस ज्यादा है। इसी तरह केंद्र व राज्य की महत्वकांक्षी योजनाओं की समीक्षा की जा रही। प्रस्तावित योजनाओं पर भी नए सिरे से विचार-विमर्श किया किया जा रहा है। बताया जाता है कि सरकार अपने कामकाज का स्व मूल्यांकन करने के साथ ही कामों की गति बढ़ाने का सही तरीकों पर विचार कर रही है।

दूसरे सत्र में सीएस कान्फ्रेंस का विवरण रखेंगे सीएस- बीते दिनों दिल्ली में देशभर के राज्यों के मुख्य सचिवों की कान्फ्रेंस हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी संबोधित किया था। इसमें राज्यों के लिए कई जरुरी बातें थी। सीएस अनुराग जैन दूसरे सत्र में इसका विवरण सरकार के सामने रखेंगे। उल्लेखनीय है कि सीएम ने इसके पहले 13 सितंबर को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण स्कूल भवन में मंत्रियों के साथ छह घंटे से अधिक समय तक मैराथन मीटिंग की थी।

हमीदिया रोड गुरुद्वारा में सीएम मोहन यादव गुरुगोविंद सिंह के चार साहिबजादे की बलिदान कार्यक्रम में शामिल हुए।

कैबिनेट बैठक में हुए कुछ फैसले

इससे पहले मोहन सरकार की साल मौजूदा 2024 की आखिरी कैबिनेट बैठक भी हुई। बैठक में यूनानी होम्योपैथ कालेज के छात्रों डाक्टर्स की इंटर्नशिप को मूल्य सूचकांक से जोडने का फैसला किया गया। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के बिजली फीडर्स को सोलर एनर्जी से जोडने का निर्णय भी लिया गया। इसमें केंद्र सरकार भी अनुदान देगी। जन्म मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल व ऑनलाइन करने का निर्णय लिया गया। ओवेदक खुद इसे सर्टिफाइड करेगा,यदि वह गलत जानकारी देगा तो दंडित होगा। केन बेतवा से जडी 17 योजनाओ को भी आज मंजूी दी गई। वहीं उज्जैन के 150 एकड़ क्षेत्र में स्पिरिचुअल सिटी के साथ यूनिटी मॉल बनाए जाने पर चर्चा की गई। यहां सिंहस्थ के पहले हाट लगाने को लेकर भी प्लानिंग की जा रही है। यूनिटी मॉल में एक जिला, एक उत्पाद (वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट) के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों के ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट) लाकर यहां बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे।

अंतरिक्ष में 2 सैटेलाइट्स को जोड़ेगा इसरो

स्पीडेक्स मिशन 30 को, स्पेस में नई छलांग की तैयारी में भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अब एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने की तैयारी में है। दरअसल इसरो अंतरिक्ष में दो सैटेलाइट्स (उपग्रहों) को जोड़ने का काम करेगा और यह काम इतना चुनौतीपूर्ण है कि इसमें बंदूक की गोली से भी दस गुना तेजी से परिक्रमा कर रही दो सैटेलाइट्स को पहले रोककर स्पेसक्राफ्ट पर डॉक किया जाएगा और फिर दोनों को जोड़कर फिर से पृथ्वी की कक्षा में छोड़ दिया जाएगा। इसरो ने इस मिशन को स्पेडेक्स नाम दिया है और इसे 30 दिसंबर को लॉन्च किया जाएगा। मिशन के तहत इसरो का पीएसएलवी रॉकेट विशेष रूप से डिजाइन दो उपग्रहों को ले जाएगा, जिनमें से प्रत्येक का वजन लगभग 220 किलोग्राम होगा। इन उपग्रहों को पृथ्वी से 470 किलोमीटर ऊपर

डॉकिंग और अनडॉक का प्रयास किया जाएगा। अभी तक केवल रूस, अमेरिका और चीन ने ही इस जटिल तकनीक में महारत हासिल की है और किसी भी देश ने इस मिशन की पेचीदियां को साझा नहीं किया है। अब भारत अपने दम पर इस उपलब्धि को हासिल करने की तैयारी कर रहा है।

बांग्लादेश में ईसाइयों के 17 घर जलाए

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में क्रिसमस पर ईसाई समुदाय से जुड़े लोगों के 17 घर जला दिए गए। यह घटना बंदरबन जिले के चटगांव पहाड़ी इलाके में हुई। पीड़ितों का दावा है कि जब वे क्रिसमस के मौके पर प्रार्थना करने के लिए चर्च गए थे, तब मौके का फायदा उठाकर उनके घरों में आग लगाई गई। ईसाई समुदाय ने बताया कि इस घटना में उनका 15 लाख टका (बांग्लादेशी करंसी) से ज्यादा का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया व कहा कि आगजनी के संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। त्रिपुरा समुदाय के 19 परिवार बंदरबन के एसपी गार्डन में रहते थे। यह गार्डन हसीना सरकार में बड़े अधिकारी रहे बेनजीर अहमद का है।

भाजपा नेता ने मंत्री से कहा- अब तुम्हारा गुरूर टूटेगा

बीकानेर, एजेंसी

राजस्थान के बीकानेर में एक भाजपा नेता ने अपनी ही सरकार के मंत्री सुमित गोदारा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा सोशल मीडिया सेल के संभाग संयोजक कोजू राम सारस्वत है, इसलिए नाराज हैं कि जिला प्रशासन ने उनके घर पर बुलडोजर चलाया। इसका ठीकरा उन्होंने कैबिनेट मंत्री गोदारा पर फोड़ा है और सोशल मीडिया पर गोदारा के खिलाफ लिखा कि 'आज हमारा घर टूटा है, कल तुम्हारा गुरूर टूटेगा।' इस पोस्ट को नेता ने मंत्री गोदारा को भी टैग किया है। वहीं पीएम मोदी, सीएम भजनलाल और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को भी टैग कर शिकायत की है। यह मामला बीकानेर पंचायत समिति के राजेरा गांव का है, जहां जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांव के 80 घर तोड़े।

मेट्रो एंकर

300 अरब किलोवाट बिजली पैदा करेगा

ब्रह्मपुत्र पर दैत्याकार बांध बनाने की तैयारी में चीन, पूर्वोत्तर में कभी भी भेज सकेगा बाढ़!

बीजिंग, एजेंसी

चीन की सरकार का नया ऐलान एक नई मुसीबत की तरफ इशारा कर रहा है। चीन ने कहा है कि वह तिब्बत की सबसे लंबी नदी यारलुंग त्सांगपो पर महाशक्तिशाली बांध बनाएगा। बांध से चीन के धरती की स्पीड को प्रभावित करने वाले थ्री जॉर्ज बांध से 3 गुना ज्यादा बिजली पैदा होगी। चीनी मीडिया का कहना है कि यह बीजिंग के लिए इंजीनियरिंग की बहुत बड़ी चुनौती बनने जा रहा है। चीन की सरकार इस बांध को बनाने के लिए 137 अरब डॉलर खर्च करने जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह चीनी बांध धरती पर चल रहे सिंगल इन्फ्रास्ट्रक्चर के किसी भी प्रोजेक्ट को बहुत पीछे कर देगा।

उल्लेखनीय है कि चीन जिसे यारलुंग त्सांगपो नदी कहता है, उसे भारत में ब्रह्मपुत्र नदी कहा जाता है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि चीन इस दैत्याकार बांध का हथियार की तरह से इस्तेमाल करके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में कभी भी बाढ़ ला सकता है। करीब 2900 किमी लंबी ब्रह्मपुत्र नदी भारत में आने से पहले तिब्बत पठार से गुजरती है। यह नदी तिब्बत में धरती की सबसे गहरी खाई बनाती है। तिब्बती बौद्ध भिक्षु इसे बहुत पवित्र मानते हैं। चीन इस बांध को भारत की सीमा करीब अपने भयंकर बारिश वाले इलाके में बनाने जा रहा है। चीन का अनुमान है कि इस बांध से 300 अरब किलोवाट घंटे बिजली हर साल मिलेगी। वहीं अभी बिजली पैदा करने के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा बांध कहे जाने वाला चीन थ्री जॉर्ज हर साल 88.2 अरब किलोवाट घंटे बिजली पैदा करता है। चीन के हुबई प्रांत में स्थित थ्री जॉर्ज बांध यांगजी नदी पर बनाया गया है।

धरती की रफ्तार प्रभावित

थ्री जॉर्ज बांध में 40 अरब क्यूबिक मीटर पानी है और यह धरती की घूमने की रफ्तार को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से धरती की घूमने की गति में हर दिन 0.06 माइक्रोसेकंड बढ़ रहा है। इससे दुनियाभर के वैज्ञानिक काफी चिंतित हैं। इस बांध को सबसे पहले साल 1919 में चीन के पहले राष्ट्रपति सुन यात सेन ने बनाने का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने कहा था कि इससे जहां बाढ़ में कमी आएगी, वहीं दुनिया के सामने यह चीन के ताकत का प्रतीक बनेगा।

छाया घना कोहरा

सर्द हवा से बढ़ी ठिठुरन विजिबिलिटी भी हुई कम

भोपाल. एजेंसी

राजधानी में गुरुवार को मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदला रहा। सुबह से ही कोहरा छाया रहा और सर्द हवा के कारण लोगों को दिन में सर्दी का अहसास हुआ। पूरे दिन मौसम सुहाना रहा और लोग इस खुशनुमा मौसम का आनंद लेते नजर आए। शहर में सुबह जहां कोहरे की स्थिति रही, वहीं पूरे दिन कुहासा रहा। ऐसे में पूरे दिन विजिबिलिटी 1500 मीटर से अधिक नहीं हो पाई। दिसंबर में कड़ाके की सर्दी के बाद अब कोहरे का दौर भी शुरू हो गया है। सुबह शहर में कोहरा छाया रहा, इस दौरान सुबह 8.30 बजे के बाद तक विजिबिलिटी 500 मीटर रही, जबकि पूरे दिन भी कुहासा छाया रहा। ऐसे में कुछ समय ही दोपहर में हल्की धूप नजर आई, दिन भर कुहासे के कारण मौसम खुशनुमा रहा। अगले दो तीन दिन तापमान इसी तरह रहेंगे।

पिकनिक स्पॉटों पर रही भीड़:
क्रिसमस की सरकारी छुट्टी और सुहाने मौसम का आनंद लेने के लिए शहर सहित आसपास के पिकनिक स्पॉटों पर लोगों की भीड़ रही। शहर के बोट क्लब, मनुआभान की टेकरी, कलियासोत, केरवा डैम सहित अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और सुहाने मौसम के साथ प्रकृति का लुफ्त जमकर उठाया।

वाहन चालकों की फजीहत जारी

जीजी फ्लाईओवर अब जनवरी में खुलेगा, फिर टला लोकार्पण

भोपाल. एजेंसी

गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर के बीच बन रहे जीजी फ्लाईओवर ने लोगों को परेशान कर रखा है। लंबे समय से इसकी शुरूआत ही नहीं हो पा रही है। आलम यह है कि इस पूरे मार्ग पर डायवर्शन आदि के चलते रोज वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। अब इसका लोकार्पण एक बार फिर टाला गया है। इससे पहले भी यही होता रहा है। सितंबर के आखिरी हफ्ते में लोकार्पण की योजना थी। इसके बाद पीडब्ल्यूडी ने 26 दिसंबर को इस फ्लाईओवर के लोकार्पण का दावा किया था। अब अफसर कह रहे हैं कि दिसंबर के आखिर दिन तक भी लोकार्पण किया जा सकता है। हालांकि, अंदरखाने खबरें है कि अब फ्लाइओवर लोकार्पण की अगली तारीख 15 जनवरी के बाद ही तय होगी। पीडब्ल्यूडी अफसरों का कहना है कि गायत्री मंदिर आर्म और वल्लभ भवन आर्म का सिविल काम पूरा हो गया है। कुछ फिनिशिंग का काम बाकी है, जिसे 30 तारीख तक पूरा करने को कोशिश की जा रही है। फ्लाईओवर के उद्घाटन की तारीख शासन स्तर पर तय होगी। राणा ने बताया कि ट्रैफिक प्लान के तहत वल्लभ भवन रोटरी और अन्य निर्माण कार्य बाद में किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री का समय मिलते ही फ्लाईओवर का लोकार्पण कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि इस फ्लाइओवर का निरीक्षण लोनिवि मंत्री भी काफी पहले कर चुके हैं लेकिन करीब छह महीने से इसके लोकार्पण की स्थिति नहीं बन पा रही है।

एक रास्ता खुला, दूसरा अभी बंद

उधर, भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 तक जाने वाला एक तरफ का रास्ता खोल दिया गया है। इसे मेट्रो ने अचानक बंद कर दिया था। इससे पूरे दिन यात्रियों को सामान लेकर पैदल आना-जाना पड़ा था। हालांकि अब भी रेलवे स्टेशन से अल्पना टॉकीज की तरफ जाने वाला एक तरफ का रास्ता बंद है। इससे लोगों को परेशानी उठानी पड रही है। दरअसल, प्लेटफॉर्म 6 से करीब रोज हजारों यात्रियों का आना-जाना दिनभर लगा रहता है। एक रास्ता बंद होने से जाम की स्थिति बनने लगी। दूसरे रास्ते से अब यात्री सीधे प्लेटफॉर्म 6 तक पहुंच सकते हैं। ट्रैफिक पुलिस ने भी इस पर आपत्ति जताकर कहा था कि रास्ता बंद करने की मेट्रो ने अनुमति नहीं ली है। इससे पहले मेट्रो के एमडी भी सभी रास्तों को खोलने के निर्देश दे चुके हैं। दूसरे रास्ते पर अब भी बैरिकेड लगे हुए हैं।

चौराहे बंद, लग रहा लंबा जाम

सड़क निर्माण के कारण जुमेराती, शाहजहांनाबाद, रेलवे स्टेशन जाने वाले चालक परेशान, हमीदिया रोड का नादरा बस स्टैंड चौराहा बंद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हमीदिया रोड पर सबसे व्यस्त नादरा बस स्टैंड चौराहे की सड़क निर्माण हो रही हैं, जिसके चलते पुराने शहर को जोड़ने वाले घोड़ा नक्कास रोड को चौराहे तक बेरियर लगाकर बंद कर दिया गया है। इसके कारण यहां के चारों मुख्य मार्गो पर लंबा जाम लग रहा है जबकि हमीदिया रोड पर बीच की सड़क सीमेंट कांक्रीट की बन चुकी है, लेकिन सड़क के साइड का फुटपाथ नहीं बनने से दुकानों के वाहन तक मुख्य सड़क पर ही पार्क हो रहे हैं। साइट की जर्जर फुटपाथ के हिस्से से लोगों को वाहन निकालना मुश्किल हो रहा है। यहां डामर की सड़क को खोदकर सीमेंट कांक्रीट की एक फीट मोटी सड़क बनने से फुटपाथ से निकलने वाले वाहन भी सीधे मुख्य सड़क पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। यहां विगत छह माह से सड़क निर्माण कार्य के चलते धूल खूब उड़ रही है। कई दुकानें तो लबे समय से बंद पड़ी है। जो दुकानें खुली है, उनमें दिनभर दुकानदार धूल ही साफ करते रहते हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड से लेकर पुराने शहर के बाजारों में लोग हमीदिया रोड से ही आवागमन करते हैं। इस मार्ग से दिनभर में करीब एक लाख वाहन निकलते हैं। पानी का छिड़काव भी निरंतर नहीं होने से धूल के गुबार समस्या बने हुए हैं। वाहन चालक के साथ ही दुकानदार भी सबसे अधिक परेशान है। व्यापारियों का कहना है कि सड़क निर्माण के साथ ही रेलवे स्टेशन के पास मेट्रो लाइन का काम शुरू होने से वैकाल्पिक रास्ता भी वाहनों को निकलने के लिए नहीं मिल रहा है। प्रशासन को सड़क निर्माण होने के बाद मेट्रो का काम शुरू करना चाहिए।

निर्माण पूरा हो तो शुरू हो कॉप्लेक्स

नादरा बस स्टैंड का कॉमर्शियल कॉप्लेक्स तीन मंजिला तैयार होने ने बाद भी शुरू नहीं हो पा रहा है। नगर निगम के सब इंजीनियर गौरव प्रजापति का कहना है कि नए कॉप्लेक्स में सिर्फ बिजली सप्लाई के लिए डीपी लगना है। सिविल वर्क पूरा हो चुका है। सड़क निर्माणकार्य पूरा हो तो दुकानदारों को इसका पजेशन देने का काम शुरू किया जाएगा।

मोबाइल बाजार में नहीं पा रहे लोग

जिस हिस्से को पिछले एक पखवाड़े से सड़क निर्माण के लिए बंद किया है। वहां शहर का सबसे बड़ा मोबाइल का मार्केट है। जिसमें करीब 400 दुकानें है। यहां शहर से अधिक आसपास के क्षेत्र से हजारों खरीदार रोजाना मोबाइल व उसकी एसेसिरिज लेने के लिए आते हैं। रास्ता बंद होने से मोबाइल मार्केट तक लोग पहुंच नहीं पा रहे हैं।

क्रिसमस पर धर्मगुरुओं ने आर्चबिशप को दी बधाईयां

भोपाल दोपहर मेट्रो।

राजधानी में कैथोलिक समाज ने क्रिसमस का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस विशेष मौके पर भोपाल के आर्चबिशप हाउस में धर्म और भाईचारे का उत्सव का माहौल रहा। विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं व गणमान्य लोगों ने भोपाल के आर्चबिशप दुरईराज को बधाई और शुभकामनाएं दीं।लालघाटी स्थित आर्चबिशप के निवास पर सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा। विभिन्न समुदायों के धर्मगुरुओं और विशिष्टजनों के साथ-साथ नागरिकों ने भी आर्चबिशप से मिलकर इस पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर आर्चबिशप दुरइराज ने कहा, यह पर्व हमें शांति, सद्भाव और प्रेम का संदेश देता है। ख्रीस्त जयंती का यह त्योहार हम सभी के जीवन में आशा और प्रेम का संदेश लेकर आता है। क्रिसमस के मौके पर भोपाल के खूबसूरत स्थानों पर भी रौनकें रहीं। सरकारी छुट्टी होने के चलते लोगों ने सैर सपाटा किया। बाजार और मॉल में क्रिसमस के मौके पर विशेष सजावट की गई थी और होटलों में पार्टी भी आयोजित हुई।

गठबंधन के साथ सरकार चलाने का सलीका बताया अटलजी ने: बंसल

हिरदाराम नगर. संतनगर के सभी बूथों पर भाजपाइयों ने अटल जी की जयंती मनाई। कविता पाठ कर भावांजलि अर्पित की गई एवं गरीबों को सामग्री का वितरण भी किया गया। यह पहला मौका था कि संत नगर के 46 बूथों पर बूथ अध्यक्ष ने जन्मोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किए।

संतनगर के सभी बूथों पर अटलजी को याद किया

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राम बंसल ने कहा कि कि अटलजी ने भारत के अंदर सुशासन की स्थापना कि भारत की राजनीति में गठबंधन की सरकार को स्थापित किया। अटलजी ने ग्राम सड़क, अन्नपूर्णना अन्न योजना, पोखरन विस्फोट, कारगिल विजय जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, शेट्टी चंदनानी, लविन मनसुखानी, सुमित आहूजा, पूर्व कमल वीधानी, शिव मिश्रा, महेश खटवानी, किश्न अच्छानी, विकास मारन आदि मौजूद रहे।

अटलजी के जन्म दिन पर सेवा कार्य, कंबल का वितरण सम्मान भी, गुरूनानक मंडल के कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद

हिरदाराम नगर. भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 100वें जन्म दिन पर भाजपा गुरुनानक मंडल ने कार्यक्रम का आयोजन किया। मंडल के बूथ 34, 35 पर भोपाल सांसद आलोक शर्मा की उपस्थिति में अटलजी को याद गया। साथ ही 400 जरूरतमंदों को कंबल बांटे गए। मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए योजनाओं के कार्ड शिविर लगाया, 400 से अधिक जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। मातृ पितृ दिवस के उपलक्ष्य वृद्धजनों तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा, पूर्व पार्षद महेश मकवाना, जोन पार्षद देवेंद्र भार्गव, टी बी एसोसिएशन डायरेक्टर जयपाल सचदेव, सचिव मनोज वर्मा सहित कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

आरओबी से प्रभावित दुकानदारों को प्रशासन ने जगह दी

ब्रिज के नीचे 148 दुकानें बनेंगी, चूना डालकर किया आवंटन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर के फाटक रोड पर बन रहे फ्लाई ओवर सर्विस लेन के लिए जिन दुकानों को तोड़ा गया है, उनके विस्थापन के लिए प्रशासन ने ब्रिज के नीचे दुकान बनाने जगह दे दी है। बुधवार को 148 दुकानदारों को जगह आवंटित की गई। व्यापारी ब्रिज के नीचे दुकानें बनाकर अपना कारोबार करेंगे। एसडीएम आदित्य जैन की देखरेख में प्रशासन ने चूना डालकर 148 दुकानों की मॉर्किंग कर दी है, दुकानदार 8/10 की दुकान बनाएंगे। ब्रिज के नीचे दोनों और दुकानों का आवंटन किया गया है। एक ओर 124 दूसरी ओर 124 दुकानें आवंटित की गई हैं। प्रशासन ने आवंटन का पूरा नक्शा तैयार करने के बाद आवंटन किया है। विस्थापन की मांग को लेकर दुकानदार आंदोलन कर रहे थे। आवंटन के समय विकास मारण, पार्षद अशोक मारण, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी मौजूद रहे। एसडीएम ने बताया कि आवंटित जगह पर दुकानदारों को नगर निगम जैसी दुकानें बनानी होंगी। इसके बाद जिस तरह के निर्देश शासन से मिलेंगे वैसा किया जाएगा। दुकान के मालिकाना हक वालों के नाम आवंटन किया गया है।

सेवासदन ने लगाया शिविर, नेत्र रोगियों की मुफ्त जांच की

सांसद आलोक शर्मा ने चश्मों का वितरण किया

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सासंद आलोक शर्मा ने सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने टी.बी अस्पताल परिसर में निःशुल्क दृष्टि दोष एंव नेत्र रोग जांच शिविर का आयोजन किया, यह शिविर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जन्म जयंती पर लगाया गया था, जिसमें 115 बाह्य नेत्र रोगियों के दृष्टि दोष और नेत्र रोगों की जांच की गयी। इनमें से 23 व्यक्तियों को मोतियाबिन्द की शिकायत पाई गयी जबकि 13 व्यक्ति अन्य नेत्र रोगों से पीड़ित पाये गये। सेवा सदन ने निर्धन वर्गों के दृष्टि दोष पीडितों को 36 चश्में मुफ्त प्रदान किये जबकि 50 रोगियों को निःशुल्क दवाइया प्रदान की। सांसद आलोक शर्मा ने नेत्र रोगियों को चश्मों का वितरण किया। उन्होंने सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सेवा कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर सेवा सदन के ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी, वरिष्ठ ऑप्टोमेट्रिस्ट अजय सिंह, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी राकेश कुकरेजा और अन्य उपस्थित थे।

नरहरि व कोठारी पीएस और सिंह बनेंगे एडीजी

- गृह विभाग ने भी आईपीएस की डीपीसी कर 12 को पदोन्नति देने पर सहमति दी

- 13 साल की नौकरी पूरी करने वाले 30 आईएएस को सिलेक्शन ग्रेड मिलेगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पदोन्नति के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहे कर्मचारियों को क्रमोन्नतियां भी नहीं मिल रही है तो वहीं राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को ये लाभ मिलने में ज्यादा देर नहीं होती । अब मुख्य सचिव अनुराग जैन ने विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक ली। जिसमें 50 से अधिक आईएएस अधिकारियों की फाइलों पर सहमति दी गई। उधर गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा ने भी डीपीसी बैठक की और 12 आईपीएस अधिकारियों को पदोन्नत करने का निर्णय लिया। हालांकि दोनों ही आदेश होने बाकी है। पदोन्नति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के मुताबिक आईएएस अधिकारी पी नरहरि और नवनीत मोहन कोठारी को प्रमुख सचिव, 10 आईएएस अधिकारी को सचिव के पद पर पदोन्नत करने पर सहमति बनी है। इसी तरह इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह को एडीजी व अन्य 11 आइपीएस को अलग-अलग पदों पर पदोन्नत करने के निर्णय लिए गए।

पदोन्नति समिति ने ये लिए निर्णय

- 13 साल की नौकरी करने वाले 2012 बैच के 30 आइएएस को सलेक्शन ग्रेड मिलेगी। इसके तहत विभिन्न लाभ दिए जाएंगे।
- 16 वर्ष की नौकरी पूरी करने वाले 2009 बैच के आइएएस अधिकारियों को सुपर टाइम स्केल मिलेगा। - 2001 बैच के दो आइएएस को प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नत किया जाएगा। इनमें पी नरहरि व नवनीत कोठारी का नाम शामिल है।
- चार डीआइजी को आईजी के पद पर पदोन्नति दी जाएगी।
- सचिन कुमार अतुलकर, कुमार सौरभ, जगत सिंह राजपूत व स्रि5श्नावेनी देसावतु।
- सलेक्शन ग्रेड के 11 आइपीएस अधिकारियों में से 7 को डीआईजी के पद पर पदोन्नति दी जाएगी।
- आईएएस प्रीति मैथिल, इलैया राजाटी, अभिषेक सिंह, अविनाश लवानिया, प्रियंका दास, तरुण कुमार पिथोड़े, सूफिया फारूकी वली, धनराजू एस, अजय गुप्ता, अमित तोमर, तेजस्वी एस नायक, श्रीकांत भनोट, शैलबाला मार्टिन, वंदना वैद्य, अनुभा श्रीवास्तव, प्रबल सिपाहा, शशि भूषण सिंह, सत्येंद्र सिंह, मनीष सिंह और अमरपाल सिंह को सुपर टाइम स्केल का लाभ मिलेगा।
- आईएएस नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, चंद्र मोहन ठाकुर, पंकज जैन, निधि निवेदिता, रोहित सिंह, सोमवंशी, प्रवीण सिंह, अनुराग वर्मा, प्रतिभा पाल, फटिंग राहुल हरिदास, राजीव रंजन मीणा, बाकी कार्तिकेय, दीपक आर्य, हर्षिका सिंह, आशीष भार्गव, अवधेश शर्मा, कुमार पुरुषोत्तम, सुभाष कुमार द्विवेदी, रत्नाकर झा, तरुण भटनागर, नरेंद्र कुमार जैन, कृष्णदेव त्रिपाठी, अरविंद कुमार दुबे, केदार सिंह, राजेश कुमार ओगारे, अरुण कुमार परमार और भारती जाटव ओगरे, राजेश बाथम, दिनेश कुमार मौर्य, विवेक चौधरी को अतिरिक्त सचिव बनाया जाएगा।

उच्च शिक्षा एसीएस सहित आयुक्त को थमाए जमानती वारंट

- मप्र मानव अधिकार आयोग ने एक मामले में जवाब नहीं देने पर जताई नाराजगी, 22 जनवरी को तलब

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने उच्च शिक्षा विभाग से जुड़े 2024 के एक मामले में अब तक जवाब नहीं मिलने पर नाराजगी जाहिर की है। मामले में आयोग ने उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन और आयुक्त निशांत बरबड़े को पांच-पांच हजार रूपए का जमानती वारण्ट जारी किए हैं। इसके साथ ही राजन एवं बरबड़े को 22 जनवरी को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश भी आयोग ने दिए हैं। सूचना पत्र एवं जमानती वारंट अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय भोपाल के माध्यम से तामील कराया जाएगा। दरअसल, आयोग में 26 फरवरी 2024 को प्रार्थी प्रो. कैलाश त्यागी, से.नि. प्राध्यापक सैन्य विज्ञान, भोपाल द्वारा आयोग में अपनी अर्जित अवकाश नकदीकरण का भुगतान रोक कर रखने वाले प्रभारी प्राचार्य शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल के विरुद्ध कार्यवाही करने एवं प्रार्थी को भुगतान ब्याज सहित एकमुश्त कराये जाने के संबंध में लिखित शिकायत आवेदन दिया गया था। आयोग ने मामला दर्ज कर जांच के निर्देश देते हुए जवाब मांगा था, लेकिन कई बार सूचना के बाद भी जवाब नहीं दिया गया। इसके अलावा आयोग ने 2023 के एक अन्य मामले में भी अब तक जवाब न देने के कारण उच्च शिक्षा आयुक्त को पांच हजार रूपए का जमानती वारंट जारी किया है।

लोनिवि मुख्य अभियंता मस्के को भी वारंट

आयोग ने वर्ष 2023 के एक मामले में अबतक जवाब न देने के कारण मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग को 5000 पांच हजार रूपए का जमानती वारंट एवं 22 जनवरी को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश भी जारी किए हैं। आयोग में दर्ज प्रकरण के अनुसार, 20 नवंबर .2023 को आयोग ने बावयिाकला ओवरब्रिज की सड़क पर स्वतः संज्ञान लिया था। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से जांच कराकर प्रतिवेदन चाहा। मामले में आयोग ने कई पदीय एवं नामजद स्मरण पत्र देने के बावजूद भी प्रतिवेदन न देने के कारण संजय मस्के, मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग को 22 जनवरी को आयोग में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिये है।

स्कूल शिक्षा में हो रहे बदलाव की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचे: स्कूल शिक्षा मंत्री

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंत्रालय में टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन से स्कूल शिक्षा में लगातार बदलाव आ रहा है। इन बदलाव की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षकों के माध्यम से जानकारी को बच्चों और उनके अभिभावकों तक पहुँचाने पर जोर दिया। बैठक में अशासकीय सदस्य के रूप में रविन्द्र कन्हरे, अशोक कडेल, अखिलेश श्रीवास्तव, मेघा मुक्तिबोध और सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल और आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता मौजूद थीं। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने स्कूलों में पढ़ाई के साथ व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा पर जिन ट्रेडों पर शिक्षा दी जा रही है, उनका लगातार अपडेट किया जाना भी जरूरी है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि अगले शैक्षणिक-सत्र में शासकीय स्तर पर अधिक संख्या में पूर्व प्राथमिक शाला खोलने की आवश्यकता है। प्रदेश में अभी कक्षा-1 से नीचे की 4473 प्री-एजुकेशन क्लॉस में बच्चों को प?ाया जा रहा है। इन शालाओं में करीब एक लाख बच्चे दर्ज हैं। इन्हें पीएम पोषण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने शासकीय स्कूलों को उत्सव केन्द्र के रूप में विकसित करने की बात भी कही।

सरकारी स्कूलों में हुआ शैक्षिक ओलम्पियाड का आयोजन, लाखों विद्यार्थी हुए शामिल

भोपाल। प्रदेश के समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों के लिए जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड का आयोजन हुआ। इस परीक्षा में कक्षा दूसरी से लेकर आठवीं तक की प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने ओ.एम.आर. शीट पर प्रश्न हल किए। शैक्षिक ओलम्पिया? में कक्षा दूसरी और तीसरी के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी, हिन्दी एवं गणित विषयों की परीक्षाएं आयोजित हुई हैं। तो वहीं कक्षा चौथी और पाँचवीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी, हिन्दी, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन विषय के प्रश्न हल किए। कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित एवं सामाजिक विज्ञान की परीक्षा आयोजित की गई। जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड में सहभागी ये बच्चे अपने अपने स्कूलों से चुनकर आये थे। प्रत्येक शासकीय प्राथमिक विद्यालय से कक्षा 2 से 5 तक की प्रत्येक कक्षा से 03-03 टॉपर विद्यार्थी अर्थात् एक विद्यालय से कुल 12 विद्यार्थियों ने जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता की।

शुरू होगा चार वर्षीय यूजी और एक साल का पीजी पाठ्यक्रम

भोपाल। कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। अब प्रदेश के सभी विश्विद्यालयों में अगले साल से चार वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम के साथ एक साल का पीजी पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। वहीं विद्यार्थी अब पीजी में आसानी से एक से दूसरे संकाय में जा सकेंगे।। ऐसे विषय जो विद्यार्थियों ने स्नातक में नहीं भी प? हैं, उनमें भी पीजी कर सकेंगे। नए विषय के लिए विद्यार्थी को पीजी में प्रवेश के लिए टेस्ट को क्लियर करना होगा। अभी तक पीजी के लिए मेजर विषय का होना जरूरी था। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यह व्यवस्था की जा रही है। यूजीसी ने नए फ्रेमवर्क को मंजूरी दे दी गई है। यह नई व्यवस्था मध्य प्रदेश में अगले शिक्षा सत्र से लागू की जाएगी।

नव नियुक्त उपाध्यक्ष श्रीनिवास राव ने गृहण किया कार्यभार

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल के नवनियुक्त उपाध्यक्ष श्रीनिवास राव ने भोपाल में मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय पहुंचकर उपाध्यक्ष का पदभार गृहण किया। कार्यभार गृहण करने के बाद श्रीनिवास राव ने कहा कि वे टीम भावना के साथ माध्यमिक शिक्षा मंडल में पारदर्शिता के साथ परीक्षा व्यवस्था का संचालन सुनिश्चित करने में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं में तनाव रहित वातावरण प्रदान करने से विद्यार्थी परीक्षाओं में पूरी क्षमता के साथ शामिल हो सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव के.डी. त्रिपाठी ने मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी।

पेट्रोल पंप और शादी हॉल भी चलाए पैक्स: सारंग

सहकार से समृद्धि राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि हर पंचायत में पैक्स, सभी को रोजगार और सुव्यवस्थित सहकारी आंदोलन ही हमारा लक्ष्य है। सहकारिता को आगे बढ़ाने के लिये इसका विस्तार पंचायत स्तर पर करना होगा। सहकारिता के हर एक मूल भाव को आत्मसात करते हुए देश को समृद्ध बनाना ही हमारा लक्ष्य है। पैक्स के माध्यम से हर पंचायत तक रोजगार सृजित हो, इसके लिये बहुउद्देश्यीय पैक्स की अवधारणा गठित की गयी है। सारंग समन्वय भवन में आयोजित सहकार से समृद्धि राज्य स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के पूर्व नई दिल्ली में केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 10 हजार नवगठित बहुउद्देश्यीय पैक्स, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वर्चुअल जुड़कर देखा गया। सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। समृद्ध राष्ट्र के लिये समाज को जोड़ने की जरूरत है और समाज को जोड़ने का केवल एक ही प्रकल्प है, सहकारिता। समाज का निर्माण सहकारिता के माध्यम से ही होता है। सभी की भागीदारी के साथ लक्ष्य को साधने का नाम ही सहकारिता है। परिवार सहकारिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। रोजमर्रा की जिंदगी में भी सहकारिता के बिना कुछ नहीं हो सकता। सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। सारंग ने कहा कि भागीदारी और बराबरी होने से अच्छे परिणाम निकलने का प्रतिशत बढ़ जाता है। सहकारी आंदोलन को मजबूत बनाने के लिये हरेक वर्ग को जु?ना होगा। पैक्स के माध्यम से रोजगार सृजित हों और सदस्यों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि पैक्स पशुपालन, मत्स्य-पालन और ऋण वितरण तक ही सीमित नहीं रहे, पैक्स पेट्रोल पम्प और गैस एजेंसी भी चलाये, जिसके पास जगह हो वह शादी हॉल, मैरिज गार्डन भी बनायें, इससे पैक्स मजबूत होगा।

कार्यक्रम में सारंग ने सहकारी बैंकों के सुदृढ़ीकरण की मानक परिचालन प्रक्रियाओं पर आधारित पुस्तक, विधि प्रक्रिया एवं सरलीकृत समाधान पर आधारित पुस्तिका और सहकार से समृद्धि कार्यक्रम अंतर्गत महत्वपूर्ण गतिविधियों पर आधारित ब्रोशर का विमोचन किया। कार्यक्रम में सीबीएस पर काम करने वाली पूर्णत- कम्प्यूटरीकृत हो चुकी प्राथमिक कृषि सहकारी समिति नहारगढ़ (मंदसौर) के प्रबंधक पवन जैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर सूरज विश्वकर्मा, मनासा (धार) के प्रबंधक राधेश्याम यादव, कम्प्यूटर ऑपरेटर सुनील यादव, सोनकच्छ (देवास) के प्रबंधक संतोष शुक्ला, कम्प्यूटर ऑपरेटर देवेन्द्र सिंह एवं अपेक्स बैंक द्वारा पूर प्रदेश में 6 अक्टूबर से 10 दिसम्बर तक आयोजित विशेष ऋण महोत्सव में उत्कृष्ट कार्य करने हुए अधिकतम ऋण वितरित करने वाले शाखा प्रबंधकों क्रमशः सुनील सिंघल, भरतपुर शाखा (उज्जैन), शैलेन्द्र रावत, फ्रीगंज (उज्जैन) एवं अशोक चंदेल, टी.टी.नगर (भोपाल) को भी पुरस्कृत किया। उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में उक्त अवधि में अपेक्स बैंक ने निर्धारित लक्ष्य रूपए 50 करोड़ के विरुद्ध रुपए 50.13 करोड़ का ऋण इस अवधि में वितरित किया गया।

संपादकीय

वित्तीय मोर्चे पर सतर्कता जरूरी

राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति पर रिजर्व बैंक का ताजा अध्ययन यदि राहत देता है तो कुछ मामलों पर आगाह भी करता है। खासतौर पर राज्यो के कर्ज और सब्सिडी या नकद देने जैसी योजनाएं निवेश व उत्पादन पर असर डाल सकती हैं। समग्र आर्थिक प्रबंधन काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि राज्य सरकारों के वित्त का प्रबंधन किस प्रकार किया जाता है। व्यापक स्तर पर देखें तो केंद्र सरकार का वित्त आमतौर पर सार्वजनिक बहस के केंद्र में रहता है इसलिए ऐसी रिपोर्ट अक्सर अहम कमी को दूर करने का काम करती हैं। अध्ययन दिखाता है कि राजकोषीय जवाबदेही के नियमों को अपनाने से राज्यों को काफी मदद मिली है। 1998-99 से 2003-04 के बीच राज्यों का समेकित सकल राजकोषीय घाटा जीडीपी के औसतन 4.3 फीसदी से घटकर 2.7 फीसदी रह गया। डेट स्टॉक में भी कमी आई और यह मार्च 2024 तक जीडीपी के 28.5 फीसदी तक रह गया। हालांकि अभी राजकोषीय जवाबदेही एवं बजट प्रबंधन समिति द्वारा 2017 में अनुशंसित 20 फीसदी के स्तर से काफी अधिक है। बहरहाल कुछ विश्लेषकों ने कहा है, राज्यों का व्यय कम रहने की संभावना है। ऐसा पहले भी हुआ तब राज्यों ने जीडीपी के 3.2 फीसदी के बराबर राजकोषीय घाटे का अनुमान जताया था। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि राज्यों के लिए व्यय की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। 23-24 में पूंजीगत आवंटन जीडीपी के 2.6 फीसदी के बराबर रहा जबकि 22-23 में यह 2.2 फीसदी था। हाल के वर्षों में अनुकूल राजकोषीय नतीजे आंशिक तौर पर राज्यों के बेहतर राजस्व की बदौलत भी थे। महामारी के बाद की अवधि में यह सुधरकर 1.44 फीसदी हो गया है दिलचस्प बात है कि रिपोर्ट में शामिल एक विश्लेषणात्मक अध्ययन दिखाता है कि कर राजस्व और सकल राज्य घरेलू उत्पाद के अनुपात में अंतरराज्यीय असमानता वस्तु एवं सेवा कर लागू होने के बाद कम हुई है। सुधार के बावजूद कुछ मसले ऐसे हैं जिन्हें प्राथमिकता पर हल करने की जरूरत है। पहला है कर्ज का स्तर। यह बात भी रेखांकित करने लायक है कि राज्यों के बीच काफी असमानता मौजूद है। उदाहरण के लिए हिमाचल प्रदेश की बकाया देनदारी जीएसडीपी के 45 फीसदी से अधिक है एक दशक में इसमें काफी इजाफा हुआ। दूसरी बात, राज्य सरकारों द्वारा जारी की गई गारंटियों को भी हल करने की आवश्यकता है। 2023 में यह जीडीपी के 3.8 फीसदी के बराबर थी और यह राज्य सरकारों के लिए तनाव का कारण बनकर उभर सकती है। सब्सिडी और नकदी हस्तांतरण देने के मामलों में राज्यों के बीच जो होड़ लगी है वह उनकी उत्पादक निवेश की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। इसका वृद्धि और विकास पर दीर्घकालिक असर हो सकता है।भविष्य के ढांचागत सुधारों की बात करें तो रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में कुछ सुझाव ध्यान देने लायक हैं। दरअल बड़ी संख्या में केंद्र सरकार की योजनाएं राज्य सरकारों के व्यय लचीलेपन को प्रभावित करती हैं। ऐसी योजनाओं को तार्किक बनाने से राज्य सरकारों के लिए बजटीय गुंजाइश बन सकती है और वे संसाधनों को जरूरत के समय व्यय कर सकती हैं। फिर स्थानीय निकायों को समय पर संसाधनों का आवंटन करना जरूरी है। ऐसा करके ही उन्हें अपनी जवाबदेही पूरा करने लायक बनाया जा सकेगा। इससे वृद्धि संबंधी निष्कर्षों में सुधार संभव होगा। कुल मिलाकर देखा जाए तो राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। जरूरत यही है कि निरंतर सतर्कता और सुधारों का पहिया चलता रहे।

संविधान निर्माता को आज कौन अपमानित कर रहा है?

■ राजीव खंडेलवाल

आधुनिक भारत देश के ''लौह पुरुष'' कहे जाने वाले ''चाणक्य'' गृहमंत्री अमित शाह का लोकसभा में 11 सेकंड का डॉ भीमराव अंबेडकर के संबंध में कहा गया कथन का वीडियो पूरे देश में विपक्ष द्वारा वायरल करवाया गया। जिसे पहले कांग्रेस, फिर पूरे विपक्ष ने लपक कर उसे डॉक्टर अंबेडकर का अपमान ठहरा दिया। पूरे देश में डॉ अंबेडकर को लेकर यह बहस चल गई की उसका कब-कब किस-किस ने कैसे-कैसे अपमान किया। इतिहास खंगाला जाने लगा। मीडिया में बहस बाजी से लेकर देश के आम लोगों के बीच इस पर चर्चा होने लगी। दोनों पक्ष अंबेडकर के अपमान की घटनाओं को 'इतिहास' से निकाल एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोपों की झड़ी लगा दी हैं। साथ ही दोनों पक्ष अपने को डॉ. अंबेडकर का झंडाबधार कहलाने का दावा करते है, वो सिर्फ इसलिए कि इस देश में वर्तमान में कोई ''माई का लाल'' राजनेता या पार्टी (कुछ अपवादों को छोड़कर) नहीं है जो डॉ. अंबेडकर का अपमान करने का सोच भी सकती है? क्योंकि वर्तमान वोट की राजनीतिके चलते 17 प्रतिशत दलित वर्ग जो प्रायः अंबेड़कर वादी माना जाता है, को नाराज नहीं कर सकता है। अतः यह विशुद्ध राजनैतिक ''नुरा-कुश्ती'' या दांव पेंच के अलावा कुछ नहीं ।

डॉ. अंबेडकर पर चली बहस से एक फायदा जरूर हुआ कि देश की नई पीढ़ी को डॉक्टर अंबेडकर के बाबत बहुत सी जानकारी प्राप्त हुई जो शायद पहले उन्हें नहीं थी। इस बहस ने इस बात को भी सिद्ध किया उस जमाने (वर्ष 1920-56) में विचारों की स्वतंत्रता को मान, सम्मान व मान्यता दी जाती थी। खुला राजनीतिक वातावरण था। बोलने की स्वतंत्रता थी। प्रमुख नेता गण अपनी पार्टी में रहकर भी मुखरता से अपने व्यक्तिगत विचारों को दमदारी व दृढ़ता से रखते थे, जिस पर विचार विमर्श किया जाता था, जिन विचारों व बोलने की पार्टी फोरम में स्वतंत्रता का आज पूरी तरह से समापन हो चुका है। कुछ कानून द्वारा जैसा की दल बदल विरोधी कानून और शेष नेताओं की सत्ता के प्रति ''गुलामी की मानसिकता'' के चलते। शायद स्वतंत्र विचार उत्पन्न होना ही बंद हो गए हैं, तो उनके ''प्रकटीकरण'' होने का प्रश्न कहां रह जाता है? हमारा पूरा सिस्टम ही कुछ इस प्रकार का है कि इसने व्यक्तियों की सोच को एक दायरे में कैद कर दिया है। लोग सोच ही नहीं सकते कि जो कुछ चल रहा है, उसके अलावा, उससे हट कर या उससे बेहतर भी कुछ हो सकता है) '' इन नेताओं पर सिर्फ एकमात्र सत्ता में कैसे बने रहे यह तत्व हावी है और उसके लिए शब्दावली व कार्यों का ''पराक्रम'' नहीं ''परिक्रमा'' और अंध गुणगान की ही आवश्यकता मात्र रह गई है। खैर मूल विषय पर चलते हैं। अमित शाह ने राज्यसभा में बाबा अंबेडकर का नाम लेकर 11 सेकंड की जो शब्दावली कही, वह भाषण के ''फ्लो'' में बोला गया कथन मुंह से निकल गया, जिसे आगे भाषण में उन्होंने संभाल तो लिया, परंतु ''प्रथम ग्रासे मक्षिका पात'' तो हो ही गया। अमित शाह सहित पूरी बीजेपी उस शब्दावली को पूरे भाषण के संदर्भ में देखने के लिए कहकर उसे कदापि अपमान नहीं मान रही है। जबकि उलट इसके संपूर्ण विपक्ष उसे डॉक्टर अंबेडकर का अपमान ठहरा रहा है। विपक्ष के इसी हंगामें के चलते ''बाबा (साहब) के भरोसे फौजदारी करने वालों के बीच'' संसद के मुख्य द्वार ''मकड़ द्वार'' पर धक्का मुक्की की शर्मसार घटना हो गई जिसमें तीन सांसद घायल हो गए। परिणाम स्वरूप भाजपा-कांग्रेस ने संसद मार्ग थाने में शिकायत की। यदि यह मान लिया जाए कि अमित शाह की शब्दावली डॉक्टर अंबेडकर के प्रति अपमानजनक हैं, जिन्हें वे तथा उनकी पार्टी अपमानजनक नहीं मान रही हैं, तब उन शब्दों को, जिन्हें विपक्ष गलत मान रहा है, भाजपा को कटघरे में खड़ा करने के लिए उनका बार-बार उपयोग करना क्या यह डॉ अंबेडकर का अपमान नहीं है? क्या विपक्ष उन शब्दों को बार-बार दोहराये बिना भाजपा को कटघरे में खड़ा नहीं कर सकता था? इसे इस उदाहरण से समझइए। यदि किसी व्यक्ति ने किसी को गाली दी और उसका उल्लेख आप किसी तीसरे व्यक्ति से करते हैं, तब आप क्या गाली के शब्दों को ''रूबरू'' कहते हैं या सिर्फ यह कहते हैं कि बुरी बुरी गाली दी गई? इस ''अंतर'' को यदि विपक्ष समझ लेता तो डॉक्टर अंबेडकर का अपमान किए बिना समझदार तरीके से अपनी बात को सलीके से रख सकता था। वह यह कह सकता था जो कुछ अमित शाह ने संसद में डॉक्टर अंबेडकर का नाम लेकर कहा है, उन अपमानजनक शब्दों का उच्चारण कहां किया जाना उचित नहीं है, लेकिन वे शब्द गलत है। और तब अपनी बात आगे कहता। लेकिन विपक्ष का शब्दों को बार-बार दोहराना यह साबित करता है कि उनके खुद के दिल में बाबा साहेब के प्रति कोई इज्जत नहीं है, ये केवल अपनी क्षुद्र राजनीति के चलते बाबा साहेब अम्बेडकर को कांधे पर उठाये घूमते हैं और शोर मचा कर मतदाता को गुमराह करने के अलावा इनका कोई और मक़सद नहीं है। क्योंकि अंतिम लक्ष्य तो मतदाता ही है। हम टीवी डिबेट में कई बार ऐसी स्थिति को देखते हैं, जब संसद में व संसद के बाहर नेतागण एक दूसरे को गाली बकते हैं, अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, तो उस पर बहस इसी तरह से की जाती है कि उन गाली के शब्दों को रूबरू दोहराया नहीं जाता है। चूंकि यहां पर विपक्ष उन शब्दों को बार-बार रूबरू कह रहा है, इसलिए आज तो डॉ. आंबेडकर का अपमान विपक्ष उन शब्दों को दोहरा कर रहा है। वास्तव में अपमानजनक शब्दों को बार-बार दोहराना ही अपमान करना है। और फिलहाल यह काम बीजेपी नहीं विपक्ष कर रहा है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1748- फ्रांस और ऑस्ट्रिया के बीच दक्षिणी हॉलैंड को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- 1801 - बंगाल और मद्रास में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना हुई।
- 1901 -मोम्बासा से विक्टोरिया जील तक रेल लाइन पूरी हुई।
- 1904- दिल्ली से मुंबई के बीच देश की पहली क्रॉस कंट्री मोटरकार रैली का उद्घाटन।
- 1925- तुर्की में ग्रेगोरियन कैंलेडर अपनाया गया तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई।
- 1938- पैन अमेरीकी देशों के सम्मेलन में सभी तरह के विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ पेरू घोषणा स्वीकार की गई।
- 1943- जर्मन युद्धपोत स्कार्नहार्स्ट ब्रिटेन द्वारा डुपो दिया गया।
- 1971- युद्ध के विरोध में वियतनाम युद्ध के सोलह सैनिकों ने स्वतंत्रता की देवी की मूर्ति पर कब्जा किया।
- 1972- अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रमन का निधन।
- 1975- सोवियत संघ में निर्मित तुपोलेव-144 नियमित विमान सेवा में शामिल होने वाला पहला सुपरसॉनिक था.
- 1977- सोवियत संघ ने पूर्वी कजाख क्षेत्र में परमाणु परीक्षण किया।
- 1978- भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को जेल से रिहा किया गया। मोरारजी देसाई की सरकार ने 19 दिसंबर को इंदिरा गांधी को गिरफ्तार किया था।
- 1997- उड़ीसा की प्रमुख पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) की स्थापना वरिष्ठ राजनेता बीजू पटनायक के पुत्र नवीन पटनायक ने की।
- 2002- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ़ कांगो में पुनः संघर्ष शुरू होने की सूचना दी।
- 2003- ईरान के दक्षिणी पूर्वी शहर बाम में भूकंप आया था जिससे जान और माल का भारी नुकसान हुआ था। भूकंप की तीव्रता 6.6 थी।
- 2004- रिक्टर पैमाने पर 9.3 की तीव्रता वाले भूकंप से आई सुनामी के कारण श्रीलंका, इंडिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया, मालदीव और आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही। दो लाख तीस हजार लोगों की मौत।
- 2006- शेन वार्न ने अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में 700 विकेट लेकर इतिहास रचा।
- 2007- तुर्क विमानों ने इराकी कुर्द ठिकानों पर हमले किये।
- 2008- कृतिका को हराकर तानिया संयुक्त शीर्ष पर पहुँची।
- 2012- चीन की राजधानी बीजिंग से ग्वांग्झू शहर तक बनाए गए दुनिया के सबसे लंबे हाई स्पीड रेलमार्ग को खोला गया।
- 1899- अमर शहीद ऊधम सिंह- स्वतंत्रता सेनानी का जन्म हुआ था।
- 1948- प्रकाश आम्टे- प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता तथा चिकित्सक का जन्म हुआ था।
- 1935- माबेला अरोल- भारतीय समाज सेवी महिला थीं का जन्म हुआ था।
- 1935- विद्यानंद जी महाराज- प्रसिद्ध संत-महात्माओं में से एक हैं का जन्म हुआ था।
- 1716- थॉमस ग्रे- 18वीं शताब्दी के प्रसिद्ध अंग्रेज़ी कवियों में से एक थे का जन्म हुआ था।
- 1929 -तारक मेहता- गुजराती साहित्यकार थे का जन्म हुआ था।
- निधन
- 2015- पंकज सिंह - समकालीन हिन्दी कविता के कवि का निधन हुआ था।
- 2011- एस. बंगरप्पा - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ तथा कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे का निधन हुआ था।
- 1999- शंकरदयाल शर्मा- भारत के नौवें राष्ट्रपति का निधन हुआ था।
- 1998- राम स्वरूप- वैदिक परम्परा के प्रमुख बुद्धिजीवी थे का निधन हुआ था।
- 1989- के. शंकर पिल्लई- जिन्हें शंकर के नाम से जाता है, सुप्रसिद्ध भारतीय कार्टूनिस्ट थे का निधन हुआ था।
- 1986- बीना दास- भारत की महिला क्रांतिकारियों में से एक थे उनका निधन हुआ था।
- 1976- यशपाल- हिन्दी के यशस्वी कथाकार और निबन्ध लेखक थे उनका निधन हुआ था।
- 1966- गोपी चन्द भार्गव- 'गाँधी स्मारक निधि' के प्रथम अध्यक्ष, गाँधीवादी नेता, स्वतंत्रता सेनानी और पंजाब के प्रथम मुख्यमंत्री थे उनका निधन हुआ था।
- 1961- भूपेंद्रनाथ दत्त- भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी, लेखक तथा समाजशास्त्री थे उनका निधन हुआ था।

नदी जोड़ो अभियान, एक सदी का सपना...!!

■ भूपेन्द्र गुप्ता

नदी जोड़ो अभियान आज चर्चा का विषय है। इसका श्रेय सभी पार्टियों लेने की कोशिश भी करती हैं लेकिन इन परियोजनाओं का इतिहास 100 साल से भी अधिक पुराना है। इस इतिहास को जानकर यह समझा जा सकता है कि सपनों के फलीभूत होने में सैकड़ों साल की तपस्या शामिल होती है ।इसमें कोई एक व्यक्ति अकेला नहीं है,बल्कि सरकारों के निरंतर और सकारात्मक प्रयास हैं। हालांकि गुलाम भारत मे 1900 के दशक में एक अंग्रेज इंजीनियर आर्थर कॉटन ने भारत की नदियों को जोड़ने की कल्पना की थी । उसका उद्देश्य था कि नदियों के अतिरिक्त जल से बड़ी-बड़ी नहरें बनाकर जल मार्गों की वृद्धि की जा सकती है जिससे ब्रिटिश सरकार को व्यापारिक सुविधा मिलेगी तथा दक्षिण भारत के तथा उड़ीसा के सूखे से निपटा जा सकेगा और वहां पर अतिरिक्त जल भेज कर उत्पादन में वृद्धि भी की जा सकेगी ।किंतु इसमें आने वाले खर्च को देखकर ब्रिटिश हुकूमत भी आगे नहीं बढ़ी और यह ठंडे बस्ते में चली गई।

देश आजाद हुआ और राष्ट्र निर्माण की योजनायें बननी शुरू हुई।गरीबी संसाधनों के अभाव और तकनीशियनों की कमी से प्रथमिकताये आगे बढ़ती गई।आजादी के लगभग 23 साल बाद जब इंदिराजी की सरकार में डा़ केएल राव जो कि बांध बनाने वाले इंजीनियर थे,सिंचाई मंत्री बने तब उन्होंने आर्थर काटन के इस सपने से धूल झाड़ी और इंदिराजी के सामने रखा। कांग्रेस ने 1970 में इस योजना को नये दृष्टिकोण से जीवित किया। डा. राव की सोच थी कि जो हिमालयीन नदियां हैं उनमें ग्लेशियरों के पिघलने के कारण गर्मियों में अतिरिक्त जल होता है और बाढ़ आती है जबकि प्रायद्वीपीय नदियां गर्मियों में सूख जाती हैं और उनमें बरसाती मौसम में बाढ़ आती है अतः हिमालयीन नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों की आपस में जोड़ दिया जाता है तो सूखे के मौसम में जल की उपलब्धता बनी रह सकती है इसे इंटर-वेसिन रिवर लिंकिंग कहा गया। इंदिरा गांधी ने 1980 में इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए एनडीआरडी की रिपोर्ट तैयार करवाई ।इसकी वित्तीय व्यवस्था बनाने के लिए शुरुआत की गई और उन्होंने 1982 में ÷ नेशनल वाटर डेवलपमेंट अथॉरिटी÷ का निर्माण किया यह नदी जोड़ो अभियान का पहला कदम था।इसके अंतर्गत इंटर-वेसिन नदियों को जोड़ने की योजनाओं पर कार्य शुरू हुआ । अध्ययन रिपोर्ट तैयार हुई।

जब 1999 में एनडीए की सरकार आई और अटल बिहारी बाजपेयी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने इसे उलटकर योजना के पूरे स्वरूप को ही बदल दिया और इंटर-बेसिन परियोजनाओं को इंट्रा-वेसिन परियोजनाओं में बदल दिया किंतु 2003 तक यह विचार स्वरूप लेता इसके पहले ही 2002 में सुप्रीम कोर्ट में इसके विरोध में पीआईएल लग गई ।आगामी चुनाव में बाजपेयी सरकार उलट गई और जब मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार का गठन हुआ। तब इस परियोजना को फिर वास्तविक स्वरूप यानि इंटर- बेसिन योजना के रूप में जीवित किया गया तथा सरकार ने इस पर व्यापक अध्ययन करवाया ।

साल 2012 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह फैसला दिया कि नदियों के इंटरलिंकिंग का फैसला नीतिगत है और इसे सरकारें ही करें । तब इस योजना के लिए 2012 से गति प्रदान की गई विभिन्न राज्यों के जल बंटवारे के आपसी समझौते और विवादों के निपटारे, पर्यावरणीय जोखिम एवं इकोसिस्टम को पहुंचने वाले नुकसानों के अध्ययन करते-करते और सुलझाते-सुलझाते 2021 में केन बेतवा योजना को कैबिनेट की स्वीकृति मिली जिसका भूमि पूजन वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया है। इंटर बेसिन नदी जोड़ो परियोजना मूलत आर्थर कॉटन का सपना था जिसे डॉक्टर केएल राव ने आगे बढ़ाया और इंदिरा गांधी की सरकार ने इसे संस्थागत स्वरूप प्रदान कर 'राष्ट्रीय जल विकास अथॉरिटी' का निर्माण किया और इस अथॉरिटी ने ही इस कल्पना को जमीन पर उतारने की शुरुआत की ।संसाधन जुटाये, अध्ययन करवाया और यह योजना लगभग 54 साल बाद अब आकार ले रही है ।

आज देश में विकास को एक निरंतर अवधारणा के रूप में स्वीकार करने की आवश्यकता है। इसका श्रेय अकेली एनडीए सरकार को देना आर्थर कॉटन के सपने के साथ भी धोखा होगा और डा. के एल राव तथा इंदिरा गांधी की संकल्पना के साथ भी बेईमानी होगी । विकास की योजनाओं की निरंतरता के लिए जिन-जिन लोगों ने काम किया है सभी सरकारों को श्रेय दें इसमें इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेई, मनमोहन सिंह एवं नरेंद्र मोदी सभी शामिल हैं । सपनों के जमीन पर उतरने की यही सच्चाई है।

(साभार : लेखक कांग्रेस से जुडे हैं, यह उनके विचार हैं)

आबरू का बनाने बिगाड़ने वाला आदमी नहीं ईश्वर है। उन्हीं की निगाह में आबरू बनी रहनी चाहिए। आदमियों की निगाह में आबरू की परख कहाँ ? जब सूद खाने वाला बनिया, घूस खाने वाला हाकिम और झूठ बोलने वाला गवाह बे-आबरू नहीं समझा जाता, लोग उनका आदर मान करते हैं तो यहाँ सच्ची आबरू की कदर करने वाला कोई है ही नहीं ।

-प्रेमचंद्र

निशाना

आयी बात निकल कर !

-कृष्णेन्द्र राय

है दिया भरोसा ।
होगा पूरा न्याय ।।
आयी बात निकल कर ।
आगे भी सहाय ।।
चल रहा है काम ।
देकर सब कुछ ध्यान ।।
कोशिश है अब पूरी ।
लौटे फिर सम्मान ।।
इंतज़ार है करना ।
हैं कितने गंभीर ?
दिख जाए धरातल ।
चमके जब तकदीर ।।
चली लंबी बातचीत ।
आए अब परिणाम ।।
सकारात्मक चल रही ।
अटकलें तमाम ।।

एसडीएम ने रात में किया दुकानों और गोदामों का निरीक्षण

गल्ला व्यापारियों के पास लिमिट से ज्यादा मिला स्टॉक, दो दुकानें व एक गोदाम सील

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बीती रात्रि करीब आठ बजे तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व ने नगर के दो गल्ला व्यापारियों की दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उनके साथ इस निरीक्षण में मंडी कर्मचारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद एमडीएम को कुछ कमियां मिली और उन्होंने दोनों गोदाम सील कर दी जानकारी के अनुसार एसडीएम के पास शिकायत पहुंची थी कि गल्ला व्यापारी अनुपात से ज्यादा गल्ला खरीदकर दुकानों और गोदामों में रखे है और ये चोरी छुपे दूसरे जिलों को सप्लाई करते है। इससे शासन को बड़ी हानि हो रही है। उसके बाद एसडीएम ने पहले मंडी के कर्मचारियों को बुलाया और उसके बाद दुकानों का निरीक्षण करना शुरू किया। कमियां का पंचनामा भी बनाया गया और पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों दुकान सील कर दी गई है वहीं एसडीएम सौरभ गंधर्व नायब तहसीलदार ने किराना गोदाम का निरीक्षण किया, जहां बड़ी तादाद में गुड़, शक़्कर और अन्य सामग्री रखी हुई थी। रखे स्टॉक के ज़ब व्यापारी से दस्तावेज मांगे तो वह तत्काल में दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाए बाद में एसडीएम ने पूरे दस्तावेज पेश करने के निर्देश दिए।

एसडीएम ने दो गल्ला दुकान और एक गोदाम को मंडी कर्मचारियों की मौजूदगी में सील कराने की कार्रवाई की है। पहली कार्यवाही तहसील के समीप

अनमोल ट्रेडर्स पर की दूसरी कार्रवाई ममा ट्रेड्स, आरके ट्रेड्स पर की दोनों जगह पर लिमिट से बहुत ज्यादा मात्रा में व्यापारी ने खरीदी करके गल्ला रखा था। निरीक्षण पर पहुंचे एसडीएम ने जानकारी ली तो व्यापारी पूरे स्टॉक की जानकारी नहीं दे पाया। बाद में मंडी कर्मियों की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई की गई और उसके बाद दुकान और गोदाम को एसडीएम के निर्देश पर सील किया गया।

कार्रवाई को लेकर तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व ने बताया कि गल्ला व्यापारियों की गोदाम में बड़ी तादाद में स्टॉक रखा हुआ है यह मंडी से नहीं बल्कि डायरेक्ट खरीदा गया है निरीक्षण किया तो गोदाम में लिमिट से भी बहुत ज्यादा बोरी पाई गई, जिनका मंडी कर्मियों से पंचनामा बनवाया गया और दो दुकान एक गोदाम सील की गई है।

सीएम राइज स्कूल के शिक्षक नहीं दे सके प्रश्नों के जबाब, एसडीएम ने जताई नाराजगी

- स्कूल में गंदगी देख स्टाफ को लगाई फटकार साफ सफाई के दिए निर्देश

जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक में संचालित सीएम राइज स्कूल के शिक्षकों को पढ़ाई सबंधी जानकारी ही नहीं है पढ़ते भी नहीं बनता इस मामले का खुलासा उस समय हुआ जब तेन्दूखेड़ा एसडीएम सौरव गंधर्व इस स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे थे और उन्होंने शिक्षकों से किताबी सबंधी जानकारी लीं तो शिक्षक किताब सबंधी जानकारी भी नहीं दे पाये यह देख एसडीएम सौरभ गंधर्व ने नाराजगी जताई साथ ही स्कूल में फैली गंदगी पर भी वह काफी नाराज हुए। प्राचार्य को व्यवस्था बनाने की निर्देश दिए। शासन के द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में सीएम राइस स्कूल संचालित किये जा रहे हैं। ताकि बच्चों को निजी स्कूलों की तरह ही अच्छी शिक्षा व्यवस्था मिल सके। इन स्कूलों में क्लालीफाई शिक्षक होते हैं इसके बावजूद शिक्षकों को किताब सबंधी ज्ञान भी नहीं है तो वे बच्चों को किस तरह पढ़ाएंगे? निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने तीन शिक्षकों को ज्ञान को देखते हुए चार दिन में हटाने के निर्देश प्राचार्य को दिए हैं। एसडीएम को सीएम राइज स्कूल के संबंध में शिकायत मिली थी इसलिए वे स्कूल का निरीक्षण करने गए थे।

एसडीएम ने कहा सीएम राइज स्कूल के चारो तरफ़ गंदगी फैली है कक्षाओं मे बिजली व्यवस्था भी ठप है पढ़ाई भी न के बराबर हो रही है। एसडीएम ने शीघ्र पूरी व्यवस्थाओ में सुधार करने निर्देश दिए।

इनका कहना है

पास स्कूल की शिकायत आई थी जो निरीक्षण के दौरान सही पाई गई है प्राचार्य को शिक्षकों को हटाने और स्कूल में साफ सफाई व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए हैं मैं लगातार स्कूलों का निरीक्षण कर रहा हूं जहां भी कमियां मिल रही है वहां पर कार्रवाई की जा रही है।

-सौरभ गंधर्व, एसडीएम तेंदूखेड़ा

एसडीएम के निरीक्षण के दौरान कुछ कमी जरूर सामने आई थी शिक्षक अच्छे तरीके से बच्चों को नहीं पढ़ा सके जिस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही गंदगी को लेकर एसडीएम ने जो निर्देश दिए हैं उसका पालन जरूर किया जाएगा।

-हेतराम अहिरवार, प्राचार्य सीएम राइज स्कूल तेन्दूखेड़ा

दमोह शिक्षा विभाग में कुछ शिक्षक बहुत कमजोर है परन्तु क्या कर सकते है? मगर कक्षा दसवीं और बारहवी की पढ़ाई पर मैं विशेष ध्यान दे रहा हूं। गंदगी क्यों है? जबकि सीएमराइज स्कूल में सफाई कर्मी है मैं जानकारी लेता हूं और स्कूल का निरीक्षण करता हूं।

-नीतेश पांडे, बीईओ शिक्षा विभाग तेन्दूखेड़ा

जन अभियान परिषद का दो दिनी क्षमता वृद्धि कार्यक्रम प्रशिक्षण का समापन

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित दो दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र पवारखेड़ा में आयोजित हुआ और इसमें नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। द्वितीय दिवस पर दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती पूजनसत्र का प्रारंभ जिला समन्वयक पवन सहगल द्वारा हुआ। प्रथम सत्र में स्वयंसेवी संस्थाओं का प्रबंधन विषय पर ब्लॉक समन्वयक नरेंद्र देशमुख एवं मुकेश सोलंकी ने संस्थाओं के प्रबंधन एवं दस्तावेजीकरण पर जानकारी दी । प्रभाव का विश्लेषण विषय पर सुश्री सुमन सिंह ने प्रभाव के विश्लेषण पर अपने विचार साझा किए। डेंगू जागरूकता पर जिला मलेरिया विभाग के अरुण श्रीवास्तव ने डेंगू की रोकथाम और मच्छरों के नियंत्रण पर चर्चा की।नेतृत्व क्षमता-एवं विकास विषय शिक्षाविद डॉ.आशीष चटर्जी ने नेतृत्व के महत्व और प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने नेतृत्व को प्रेरणादायक क्षमता बताया, जो टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है।सोशल मीडिया की भूमिका पर आनंद नामदेव और राजेन्द्र मालवीय ने सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग, ब्लॉगिंग और आय के साधन के रूप में इसके महत्व को समझाया। प्रशिक्षण की आवश्यकता पर व्यंकटेश चिमनियां ने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में प्रशस्ति पत्र वितरण किया, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने तीन माह की कार्ययोजना तैयार की। टास्क मैनेजर सैयद शाकिर अली जाफरी और संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए। सिवनी मालवा ब्लॉक समन्वयक हरिदास दायमा, नरेंद्र देशमुख, मुकेश सोलंकी, विवेक मालवीय, उमाशंकर उमरे, किशोर कडोले सहित 35 नवांकुर प्रतिनिधि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आनंद नामदेव ने किया, और आभार प्रदर्शन नरेन्द्र देशमुख द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम नवांकुर संस्थाओं के विकास और समाज सेवा में उनके योगदान को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

आज पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक के अवसर पर जिनालय में विधान

तेंदूखेड़ा। गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज महामुनिराज के षिष्य विरंजन सागर महाराज ससंघ श्री शांतिनाथ जिनालय से नगर के पार्श्वनाथ नाथ पंचायती मंदिर जी में सुबह लगभग 7 बजे आगमन हुआ। इस दौरान श्रद्धालूओ ने आगवानी कर पादप्रक्षालन किया। ससंघ ने भगवान पार्श्वनाथ भगवान के दर्षन कर शांति मंत्रो का उच्चारण कर आर्षीवाद दिया। इस दौरान श्री विरंजन सागर जी महाराज जी ने कहां कि कषाय जीवन का सबसे बड़ा शत्रु है। जिसने भगवान के समोषरण में आकर भी मारीची को भी कई भव में भटका दिया। बाहुवली व भरत जैसे जीव जो उसी भव से मोक्ष जाने बाले थे। उनमें युद्ध करवा दिया था, क्रोध, मान, माया, लोभ ये भेद चार प्रकार के होते है। हमे देव शास्त्र, गुरूओ के समक्ष विनय पूर्वक जाना चाहिए। मंदिर में कषायो को छोकर जाना चाहिए, तब भगवान से मिलन कर पाते है। सुदामा ने कषायो को छोड़ा तो श्री कृष्ण दौडकर कर आए और सुदमा को गले लगया था और उनकी मेत्री अमर हो गई। भक्त के वष में भगवान होते है। कषाय रहित भक्ति रंगलाती है। मंगलाचरण कर, दीप प्रज्वलन कर, पूजन कर कषायो को शांत करने का प्रसास भक्तो को करना चाहिए। आज पंचायति मंदिर मे भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक पर पार्श्वनाथ विधान का सुबह साढे 7 बजे से तथा शाम को पालना का झुलाने का आयोजन किया जाएगा।

नशे में वाहन चलाने वालों पर किया जुर्माना, स्कूली बच्चों को बताए यातायात के नियम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

यातायात पुलिस द्वारा बुधवार 18 दिसंबर को एक वाहन मोटर साइकिल क्रमांक MP05MW7472 के चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पाया जाने पर 185 MV Act के अंतर्गत कार्यवाही की गई थी। जिसका चालान चालक के उपस्थित होने पर कल न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। CJM न्यायालय द्वारा उक्त प्रकरण में कुल 25,500 का जुर्माना लगाया गया है। इसमें चालक पर 18,500 रुपए और वाहन स्वामी पर 7,000 रुपए इस प्रकार कुल 25,500 रुपए जुर्माना लगाया गया ।

नर्मदापुरम पुलिस द्वारा ऐसे चालकों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। नए वर्ष के आगमन की तैयारियों में भी कुछ लोग शराब पीकर वाहन चलाते है, उस को ध्यान में रखते हुए वर्ष के अंत में शहर और जिले के अन्य स्थानों पर ब्रेथ एनलाइजर के साथ चेकिंग की जाकर चालक के नशे में पाया जाने कार्यवाही की जाएगी। जिले भर में चलाए जा रहे यातायात नियम, साइबर फ्राड से बचने और नशामुक्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान में यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एसपीएम में जागरुक किया गया। जागरूकता अभियान के साथ साथ चालानी कार्यवाही भी की जा रही है एवं आज यातायात पुलिस नर्मदापुरम ने 19 चालान कर 8,900 रुपए जुर्माना वसूल किया है।

कलेक्टर ने कृषि अनुसंधान केंद्र व कृषि महाविद्यालय का किया निरीक्षण

- प्याज मिर्च सोयाबीन गेहूं गन्ने की नई वैरायटी का किया अवलोकन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना ने क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र एवं कृषि महाविद्यालय पवार खेड़ा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्याज , सोयाबीन, आलू , टमाटर , मिर्च, गन्ने , सरसों एवं आलू की नई वैरायटी का अवलोकन किया । उल्लेखनीय है कि कृषि अनुसंधान केंद्र पवार खेड़ा की स्थापना 1903 में हुई थी। मुख्यतः यह गेहूं की नई वैरायटी को डेवलप करने के लिए स्थापित की गई थी । लेकिन बाद में तीन से चार और नई फसले भी अनुसंधान के लिए जुड़ गई , यहां गेहूं अनुसंधान केंद्र , गन्ना अनुसंधान केंद्र, जल प्रबंधन , आईएफएस पर कार्य किया जा रहा है । वर्तमान में गेहूं की 56 वैरायटी एवं गन्ना की चार वैरायटी लगाई गई है , जो की बहुत बड़ी उपलब्धि है । वर्ष 2016-17 में कृषि महाविद्यालय भी प्रारंभ किया गया जो सफलतापूर्वक चल रहा है । वर्तमान में 218 बच्चे यहां पढ़ाई कर रहे हैं। यहां मुख्यतः विभिन्न फसलों के बीज का उत्पादन किया जाता है।

कलेक्टर सोनिया मीना ने कृषि अनुसंधान केंद्र में लगाए गए चना की नई वैरायटियों का निरीक्षण किया। बताया गया कि यहां चने की हार्वेस्टर से कटाई करते हैं। हार्वेस्टर से कटाई करने पर शीट थोड़ी ऊंचाई पर रहने से नीचे कोई नुकसान नहीं पहुंचता है ।यह फर्स्ट हार्वेस्टिंग मैकेनिक पद्धति है जो स्पेशल उद्देश्य के लिए डेवलप की गई है । प्रजनन बीज उत्पादन कार्य के अंतर्गत इसे किया जा रहा है। यह एक अलग प्रकार की फसल है । इसमें एक ही सिंचाई लगती है फिर एक बार और फोडिग स्टेज पर पानी लगता है

कलेक्टर ने फार्म में लगे सरसों की नई वैरायटी का अवलोकन किया । डीन डॉ. चटर्जी ने बताया कि चंबल से विशेष रूप से बीज मंगवाए गए हैं क्योंकि यहां पर तिलहन को बढ़ावा देना था । 10 हेक्टेयर में सरसों लगाया गया है। बताया गया कि जिले में 7 से 8 हजार हेक्टेयर में किसानों ने सरसों लगाया है। साथ ही पल्सर में चना की चार लाइन एवं सरसों की दो लाइन लगाकर फसल लिया गया है । सोयाबीन मुख्यतः आइल के उद्देश्य से लगाए जा रहे हैं। वहीं तुवर दाल की फसल सिवनी मालवा पिपरिया, गाडरवारा में लगाई जाती है। सोयाबीन चिक्की , प्याज , मटर , आलू की नई किस्म की और किसानों का रुझान बढा है। साथ ही मंडी रेट पर ही इनके बीज सेल किये जाते हैं । एक हेक्टेयर में तीन लाख तक का मुनाफा सोयाबीन से प्राप्त हो रहा है । सोयाबीन की टी 11 एवं टी 12 क्राफ्ट प्रोटीन से भरपूर है । किसानों को भी समझाइश दे रहे हैं । टी 5 एवं टी 6 न्यूट्रिशंस से भरपूर है। मिट्टी के मेंटेनेंस पर भी कार्य किया जा रहा है। मूंग उड़द एवं चना चिक्की भी ले रहे हैं । गेहूं की किस्म टी11 एवं टी 12 को अडॉप्ट करने में सफल हुए हैं। 5 साल बाद इसकी रिकमेंड करेंगे। बताया गया कि पशुओं के लिए चारा भी पर्याप्त मिल जाता है। वर्तमान में फॉर्म में ऑर्गेनिक फार्मिंग नहीं की जा रही, फर्टिलाइजर का उपयोग किया जा रहा है।

संघ ने चलाया एक थाली एक थैली अभियान

नर्मदापुरम। भारतीय संस्कृति का प्रमुख पर्व एवं आध्यात्मिक संगम प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक महाकुंभ होने जा रहा है। जिसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने हरित कुंभ प्लास्टिक मुक्त कुंभ में प्रयास है कि अपना यह महाकुंभ पर्यावरण अनुकूल बने हरित कुंभ बनाने का लक्ष्य रखा है। इस हेतु एक थाली एक थैला अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें आज तेज कुमार को पूर्व पार्षद एवं श्रीमती शिल्पा तेज कुमार गौर पार्षद शास्त्री वार्ड नंबर 01 ने 111 थाली एवं थैली संघ से योगेश पवार को सौंपी। उद्योगपति अतुल गौर ने तीस एवं व्यापारी गोविंद मूलचंदानी ने बीस, श्रीमती शांति गौर, सुरेन्दर कौशिक, संतोष दीक्षित, नंद विरयानी, अंशुमान नेमा, अतुल जैन, एम एस तोमर, राजेश पटेरिया, देवेन्द्र बघेल, विजय गोपलानी, योगेश सोनी, अर्जुन , संगीता बरखने, पूनम राजपूत, रमेश पचौरी, नीरज परसाई, पप्पू कहार, अजय कटारे, राजेश नागवंशी, अजय बाजपेई, श्री जैन आदि ने पूर्व पार्षद तेज कुमार गौर एवं शिल्पा तेज कुमार गौर पार्षद को थाली और थैली भेंट की।

मेट्रो एंकर पिछले दो सालों से जिले में फल-फूल रहा अवैध शराब का कारोबार, आबकारी महकमा हाथ पैर हाथ धरे बैठा

नर्मदापुरम के ढाबों और होटलों धड़ल्ले से परोसी जा रही शराब!

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पिछले दो सालों से नर्मदापुरम जिले में अबैध शराब का कारोबार जिस तरह से बढ़ रहा है मानो इस कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी किसी की भी नहीं है. आबकारी महकमा हाथ पैर हाथ धरे बैठा नजर आता है। विभाग का काम सिर्फ इतना रह गया है की कहां पर कच्ची शराब बिक रही है और इसे बंद करने के लिए किस प्रकार की कार्रवाई कर सकते हैं।कुल मिलाकर सरकारी दुकानों से अधिक से अधिक शराब बिके बस इसी बात को लेकर आबकारी विभाग का हमला हमेशा सक्रिय दिखाई दिया है। ढाबों पर क्या हो रहा है होटलों में क्या हो रहा है. गली मोहल्ला में कहां शराब बिक रही है इससे उसे कोई लेना देना नहीं.

पिछले 2 साल से जब से यहां प्रभारी आबकारी अधिकारी ने जिला अधिकारी के पद पर बैठे हैं तब से स्थिति और भी ज्यादा गंभीर होती जा रही है। हालत यह है कि धार्मिक स्थलों के पास भी शराब का अवैध व्यवसाय किया जा रहा है। नर्मदापुरम का सदर बाजार स्थित धार्मिक स्थल पर तो एक स्कूटर सवार हमेशा शराब का अवैध कारोबार करने के लिए सुबह शाम खड़ा रहता है। होम डिलीवरी भी हो रही है

शराब का असली कारोबार तो

होटल और ढाबों में चल रहा है. होशंगाबाद और इटारसी के बीच में 18 किलोमीटर की दूरी में स्थित कई होटल और ढाबे ऐसे हैं जहां खाने के साथ शराबी परोसी जा रही है. इसी प्रकार होशंगाबाद हरदा मार्ग तथा होशंगाबाद पिपरिया मार्ग पर भी स्थित कई ढाबों पर शराब परोसी जा रही है।यह सब बिना विभागीय मिली भगत के संभव नहीं नजर आता।यदि वेयरहाउस से सीधे शराब की डिलीवरी अधिकृत दुकानों पर हो रही है तो फिर रास्ते में होटल और ढाबों पर बिकने वाली शराब कहां से आ रही है?

एक अनुमान के मुताबिक पिछले 2 साल में जब से प्रभारी अधिकारी ने चार्ज संभाला है तब से बमुश्किल ही कुछ ढाबों और दुकानों की जाँच हुई होगी।कुल मिलाकर शराब की अवैध सप्लाई करने वाले इन स्थान पर विभाग की नजर नहीं पड़ती। क्या यह संभव है कि किसी नेता जनप्रतिनिधि के संज्ञान में यह बात ना हो? इस संचालन के पीछे नेता अफसर और जनता के कुछ खास लोगों का गधजोड़ भी चर्चा में रहता है।

आबकारी अधिकारियों की संपत्ति की जांच हो

आमराय है कि विभाग की मिली भगत के बिना शराब का इस तरह का अवैध कारोबार संचालन होना संभव नहीं है. और इसमें भी कोई दो राय नहीं की इस अवैध कारोबार में विभागीय अधिकारी कर्मचारियों को तबीयत से फायदा होता होगा। अलबत्त अधिकारियों की चल अचल संपत्ति की जांच हो तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। पिछले दशक नर्मदा पुरम जिले में पदस्थ एक आबकारी अधिकारी के घर पर अनुपातहीन संपत्ति को लेकर लोकायुक्त का छापा पड़ा था और उसमें लाखों करोड़ों की संपत्ति उजागर हुई थी।.

सिर्फ छुटभइयों पर ही एक्शन, धन्नासेठों पर हाथ नहीं डाल रहा आबकारी विभाग

आबकारी विभाग कुछ छुटभइये शराब विक्रेताओं पर केस भी बनाता . है। विभाग की जब भी कोई दबिश होती है तो देखा जाता है कि कुछ मजदूर किस्म के लोग ही उनकी धरपकड़ का शिकार बनते हैं।. असली बड़े मगरमच्छ तो इनके जाल में फंसते ही नहीं। विभाग का अधिकांश ध्यान कच्ची शराब पकड़ने में और गली कूचे में बेचने वाले मजदूर किस्म के लोगों पर ही रहता है।

पुल के दोनों तरफ जर्जर सड़क पर डामरीकरण होने से वाहन चालकों को मिली सुविधा

गंजबासौदा। सिरोंज अंबानगर रोड स्थित बेतवा पुल के दोनों और कई वर्षों से जर्जर सड़क की मरम्मत की करने मांग चली आ रही थी। जर्जर सड़क वाहन चालकों के लिए मुसीबत बनी हुई थी। लेकिन अब पुल के दोनों तरफ डामरीकरण होने से वाहन चालकों की राह आसान हो गई है । गड्ढों वाली सड़क से सबसे ज्यादा परेशानी किसानों को होती थी क्योंकि अनाज से भरी ट्रालियां कई बार जर्जर सड़क से निकलना मुश्किल होता था। बेतवा पुल के दोनों ओर इतने गड्ढे थे कि मंडी आने किसानों इस सड़क पर घाट होने की वजह से वाहन जो बहुत ही बहुत धीमे चलाना पड़ता था। जिसका फायदा जिसका फायदा उठाकर चोर चलती ट्राली से अनाज को बोरी उतार लेते थे जिसकी थाने में कई शिकायतें भी हुई थी। लेकिन अब सड़क बनने से सभी को सुविधा हो गई है । जिससे अब वाहन टूट फूट भी नहीं होगी और समय की बचत होगी वाहन चालकों में खुशी का माहौल है।

शिवाजी शाखा ने मनाया वार्षिक उत्सव स्वयंसेवकों ने दिखाई क्षमता

सिरोंज। बुधवार को देवपुर खण्ड के पामाखेड़ी मण्डल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शिवाजी शाखा का वार्षिक उत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन पामाखेड़ी के स्कूल ग्राउंड में आयोजित किया गया ।जिसमे भारत माता, डॉ केशव बलिराम हेडगेवार , माधव सदाशिव राव गोलवलकर की तस्वीरों पर पुष्प माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ सभी स्वयंसेवकों संघ की गणवेश शामिल हुए। सबसे पहले सूर्य नमस्कार, दंड योग, समता, नियुद्ध, वृत आदि का प्रदर्शन किया। देवपुर खंड के प्रमुख मोतीलाल कुर्मी का बौद्धिक हुआ जिसमें उन्होंने बताया की 1925 में संघ की स्थापना हुई थी और वर्तमान समय में आज संघ शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है। इसकी स्थापना के बाद से आज तक संघ देश को परम वैभव पर ले जाने के लिए कार्य कर रहा है। संघ के पंच परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा पर्यावरण, कुटुम्ब प्रबोधक, समरसता, नागरिक शिष्टाचार, स्वदेशी भाव जागरण समाज में लाना जरूरी है। इस दौरान बड़ी संख्या स्वयंसेवक मौजूद थे।

पीएम मोदी ने केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास किया

कुरवाई क्षेत्र की चमक-दमक विकास की आधारशिला : विधायक सप्रे

विदिशा जिले के 83 गांव लाभांवित होंगे

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास किया है। छतरपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अटल जी की स्मृति में डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया तथा मध्यप्रदेश में 1153 अटल ग्राम सेवा सदनों का भूमि.पूजन व प्रथम किश्त जारी की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का किया लोकार्पण, अटल जी की 100वीं जयंती पर देश की पहली केन.बेतवा राष्ट्रीय परियोजना का किया शिलान्यास किया है।

विदिशा जिले में केन बेतवा लिंक परियोजना से कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के 83 गांव लाभांवित होंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम कुरवाई की कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजि किया गया था जिसमें प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का लाइव उद्बोधन देखा और सुना गया है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने कहा कि हमारा क्षेत्र भाग्यशाली है। केन बेतवा लिंक परियोजना से क्षेत्र की चमक-दमक बढ़ेगी। सिंचित रकबा के साथ-साथ 325 ग्रामों में समूह जल प्रदाय योजना के द्वारा नल से घर में जल पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के साथ-साथ जिले के विकास के लिए जो सौगातें दी हैं उससे पिछड़े क्षेत्र में खुशहाली के

कदम बढ़े हैं।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास में नई गति मिली है। जिससे सिंचित रकबा के साथ-साथ पेयजल आपूर्ति की समस्याओं का समाधान हुआ है। उन्होंने शिवि स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी को रेखांकित करते हुए कहा कि राजस्व महाअभिया का लाभ संबंधितों को प्राप्त हो के लिए जिले में विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने योजनाओं का लाभ लेने के लिए ई-केवायसी समस्याओं के समाधान के कार्यों को रेखांकित किया। कलेक्टर ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के लिए ई-केवायसी अनिवार्य है उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के संबध में कहा कि एक आईडी बनने से तमाम शासकीय योजनाओं का लाभ सिंगल क्लिक के माध्यम से प्राप्ति में कोई व्यवधान नहीं आएगा। कार्यक्रम में कोठा बैराज के कार्यपालन यंत्री आलोक खरे ने केन बेतवा लिंक परियोजना से लाभांवित होने वाले ग्रामों के साथ-साथ अन्य आधारों को रेखांकित किया।

स्टॉलों का निरीक्षण

जिला स्तरीय किसान सम्मेलन कार्यक्रम में सम्मिलित अतिथियों, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए

विभागीय योजनाओं के प्रदर्शनी के स्टॉल लगाए गए थे जिनका अवलोकन किया गया है।

विदिशा जिले से संबंधित सामान्य जानकारी

केन बेतवा लिंक अंतर्गत कोठा बैराज परियोजना विदिशा जिले की कुरवाई तहसील के ग्राम-कोठा के समीप निर्माणाधीन है। सी डब्लू सी द्वारा परियोजना हेतु स्वीकृत राशि 709.47 करोड़ में मूल्य वृद्धि शामिल कर मध्यप्रदेश शासन द्वारा परियोजना हेतु 860.07 करोड राशि स्वीकृत की गई है। परियोजना की पर्यावरण स्वीकृति 21अगस्त 20 को प्राप्त की गई है। परियोजना में निजी भूमि 639.90 हेक्टेयर जो 49 ग्रामों, वन भूमि निरंक एवं शासकीय भूमि 986.85 हेक्टेयर. डूब क्षेत्र से प्रभावित है। जिसमें 42 ग्रामों का अवार्ड पारित हो चुका है। जिसमें 95 प्रतिशत कृषकों को राशि का भुगतान किया जा चुका है। शेष 07 ग्रामों के भू-अर्जन धारा-19 की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

केन बेतवा लिंक अंतर्गत कोठा बैराज का डिजाईन फ्लड 16456-7 क्यूमेक है जिसे पास करने हेतु 13.5 मी. इ 10-5 मी. के 17 गेट प्रदाय किए गए है।बैराज की कुल लंबाई 2740 मी. है जिसमें ओवरफ्लो सैक्शन 283.50 मीटर तथा मिट्टी बांध 22456रू50 मीटर तथा मिट्टी बांध 2456.50मीटर लंबा है। परियोजना से पेयजल हेतु 6.6 एमसीएम जल आरक्षित रखा जायेगा। एफ.आर.एल 396.00 मीटर पर बैराज की जीवित जल भराव क्षमता 69.36 एमसीएम है।

परियोजना से विदिशा जिले के कुरवाई तहसील के 77 ग्रामों की 20,622 हेक्टेयर. एवं गंजबासौदा तहसील के 6 ग्रामों की 1,650 हेक्टेयर. कुल 22,272 हेक्टेयर. क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली द्वारा रबी सिंचाई की जा सकेगी जिससे कुल 25,500 कृषक लाभांवित होंगे।

निर्माण कार्य की स्थिति

बैराज में मिट्टी खुदाई का कार्य लगभग 85 प्रतिशत तथा कांकीट का कार्य 97 प्रतिशत सम्पादित कार्य किया जा चुका है। पाईप लाईन बिछाने का कार्य लगभग 55 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।डूब क्षेत्र में आ रहे पुल,पुलियों का निर्माण कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है।

द्वितीय फेज

केन बेतवा लिंक फेज द्वितीय अंतर्गत कोठा बैराज परियोजना अंतर्गत संपादित किए जाने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए परियोजना प्रशासक श्री आलोक खरे ने बताया कि केन बेतवा लिंक परियोजना फेज प्प् अंतर्गत कोठा बैराज परियोजना विदिशा जिले की कुरवाई तहसील के ग्राम-कोठा के समीप निर्माणाधीन है जिसकी पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति 15 मार्च 24 को राशि रू. 860-07 करोड की प्रदान की गई है।

परियोजना से विदिशा जिले के कुरवाई तहसील के 77 ग्रामों की 20,622 हेक्टेयर एवं गंजबासौदा तहसील के 6 ग्रामों की 1,650 हेक्टेयर. कुल 22,272 हेक्टेयर. क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली द्वारा रबी सिंचाई की जा सकेगी जिससे कुल 25,500 कृषक लाभांवित होंगे। परियोजना से पेयजल हेतु 6.6एमसीएम जल आरक्षित है।

कुरवाई की कृषि उपज मंडी प्रांगण में सम्पन्न हुए उक्त कार्यक्र में जनप्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न विभागों के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी, एसडीएम मनोज प्रजापति के अलावा किसान बंधु, गणमान्य नागरिक औ मीडियाबंधु मौजूद रहे।

नौलखी खालसा के लिए जुटाया 550 लीटर खाद्य तेल व अन्य सामग्री

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

नगर के सामाजिक संगठन ब्राहमण दल द्वारा प्रयागराज कुंभ मे अपनी सहभागिता करने जा रहे स्थानीय नौलखी खालसा मंदिर के लिए 550 लीटर खाद्य तेल मंदिर जाकर श्रीमहंत 1008 राम मनोहर दास को दल के समस्त सदस्यों की तरफ से उपलब्ध कराया तथा महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए संयुक्त रूप से 251 हनुमान चालीसा का पाठ तथा दल की अध्यक्ष माँ पीतांबरा का जयघोष कर भगवान की आराधना की , इस अवसर पर नगर के समस्त सनातनी बंधुओं को भी दल द्वारा मंदिर पर आमंत्रित किया गया था । दल के इस प्रयास मे अतिथि के रूप मे आए सनातनी भाई अभिषेक सिंह राजवात, उप निरीक्षक सोनू सिंह धाकड़, अरविन्द शुक्ला भोपाल ,लखन विश्वकर्मा द्वारा दल की मुहिम से प्रभावित होकर शक्कर बोरी एव चाय बोरी खालसा हेतु उपलब्ध कराई। नौलखी खालसा हर अर्ध कुंभ, महाकुंभ मे अन्न क्षेत्र संचालित करता है और महाकुंभ मे आने वाले श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क रहने खाने की व्यवस्था करता है। इस अवसर पर श्रीमहंत द्वारा महाकुंभ पर प्रकाश डाला और समस्त भक्तों को कुंभ मे आने पर माँ गंगा की पूजन स्नान के नियम बताए की माँ गंगा मे स्नान से पूर्व आप जिधर भी ठहरे हो पवित्र होकर निर्मल वस्त्र धारण करके ही जाना चाहिए, तथा कभी भी निर्मल गंगा स्नान मे साबुन सोडा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ब्राहमण दल द्वारा

माली समाज तरुण मंडल का हुआ निर्वाचन रिंकू बने अध्यक्ष

सिरोंज। बुधवार को माली समाज तरुण मंडल अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई जिसमें रिंकू सुमन 8 बोट से विजई हुए। अध्यक्ष निर्वाचित होने पर समाज जनों ने फूलमाला मिठाई खिलाकर रिंकू समन स्वागत किया। अध्यक्ष बनने पर सुमन ने कहा समाजजनों ने जो जिम्मेदारी दी है उसको पूरी निष्ठा के साथ पूरा करने का प्रयास हरदम करूंगा सभी समाजजनों के सहयोग से मिलकर काम करेंगे शिक्षित समाज बनाने के लिए भी काम करेंगे पुरानी कुर्तियां को भी मिटाने पर जोर दिया प्रतिभाओं को हर क्षेत्र में आगे लाने के लिए कार्य करेंगे। निर्वाचन अधिकारी सचिन शर्मा एडवोकेट बताया कि के के माली को 29 वोट ही मिलें रिंकू सुमन को 37 वोट मिले इस तरह 8 वोटों से जीते । इस दौरान बड़ी संख्या में समाज जन मौजूद थे।

अहमदाबाद में स्तुति अग्रवाल की किताब इंसानियत और मोहब्बत का शायर साहिर लुधियानवी विमेचित

जितना डूब कर आप इस किताब को पढ़ेंगे, उतने खूबसूरत मोती आपको मिलते जाएंगे शाहिद लतीफ

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

जब रूस के प्रधानमंत्री ख्रुश्चेव भारत आए और ताजमहल देखने गए तो उनका कहना था कि 'मुझे ताजमहल की सफेद दीवारों में गरीबों का खून नजर आता है, यह एक जैसी दिखाई देती हैं, इससे बेहतर हमारा क्रेमलिन (रूसी पार्लियामेंट) है। यह बयान जब आम हुआ तो साहिर का जवाब किसी अखबार में प्रकाशित हुआ कि, ष्साहिब, क्रेमलिन की बात करनी है तो रूस में कीजिए, यह हिंदुस्तान है और ताजमहल हिंदुस्तान की शराफत का नमूना है। क्योंकि हिंदुस्तान का हर शखस चारों तरफ से एक जैसा दिखाई देता है।ष् ऐसी थी साहिर लुधियानवी की देश भक्ति।

विमोचन समारोह की अध्यक्षता करते हुए यह किस्सा तारीखी शहर अहमदाबाद में प्रोफेसर मोहीउद्दीन बॉम्बेवाला ने सिरोंज की युवा

लेखिका और अनुवादक स्तुति अग्रवाल की अंग्रेजी से उर्दू में अनुवादित पुस्तक ष्इंसानियत और मोहब्बत का शायर साहिर लुधियानवीष् के अवसर पर सुनाया।

मावा एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के बैनर तले सरदार पटेल स्मारक भवन में आयोजित कार्यक्रम में किताब के लेखक, अमेरिका के रहवासी सुरिंदर देवोल ने ऑडियो के माध्यम से उर्दू के आने वाले कल को लेकर चिंतित लोगों को यह समझाने की कोशिश की कि जिस भाषा में स्तुति अग्रवाल जैसे युवा मौजूद हों, उस भाषा को फलने फूलने से कोई नहीं रोक सकता। सैफी सिरोंजी ने स्तुति के साहित्यिक सफर पर रोशनी डाली। दैनिक इंकलाब (मुंबई) के एडिटर शाहिद लतीफ ने किताब पर बात करते हुए कहा कि जितना डूब कर आप इस किताब को पढ़ेंगे, उतने खूबसूरत मोती आपको मिलते जाएंगे। स्तुति अग्रवाल ने किताब का अनुवाद करने का कारण बताते हुए कहा कि यह किताब उन नौजवानों से वार्ता करती है जो समाजी बदलाव देखना चाहते हैं। साहिर लुधियानवी ने नौजवानों की एक नस्ल को प्रेरित किया है और आज भी कर रहे हैं।

इनके अलावा वली अहमद खान, डॉ. कासिम इमाम, फारुक सैय्यद (मुंबई), अजीजउल्लाह शीरानी (राजस्थान), फिरोज कमाल (जबलपुर), अशफाक उमर (मालेगांव), निसार अहमद अंसारी (एमएलए) ने भी संबोधित किया। उर्दू के प्रतिष्ठित शायर जयंत परमार, आलोचक शिफाअत कादरी और सद्भावना मंच के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल खास तौर पर शामिल रहे। प्रोग्राम का संचालन बशर रिजवी ने साहिर बखूबी किया।

मेट्रो एंकर सभी प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण देखा

भारत रत्न देश के गौरव अटलजी की जन्म जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी बर्ष पार्टी के सुशासन दिवस के रूप में मनाई गया। ग्राम झंडवा में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के द्वारा देश हित में किये गए योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार की जन हितैषी एवं महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ हर जरूरत मंद व्यक्ति को मिले एवं सरकार की योजनाऐं गांव, गरीब एवं किसान तक सही ढंग से पहुँचे यही सुशासन है। अटल जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन देश-धर्म, समाज-संस्कृति और पार्टी के हित के लिए समर्पित कर दिया वह भले ही आज हमारे बीच नहीं है। परंतु वहां आज हर व्यक्ति के दिल में राज करते हैं । बुधवार को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खजुरोह में केन-वेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना की आधारशिला स्थापित की है। जिसका लाभ भविष्य में प्रदेश के लाखों किसानों, मजदूरों एवं व्यापारियों को मिलेगा।आज पूरे देश को भाजपा सरकार की आवश्यकता है। जिस प्रकार बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार हो रहे हैं उन्हें डराया धमकाया और मारा-पीटा जा रहा है वह निंदनीय है।

आज धर्म-संस्कृति एवं हिन्दुत्व की रक्षा हेतु पूरे भारत देशवासियों को एक जुट होने की जरूरत है। हम सच्चे मन से पार्टी की सेवा करें सबका साथ सबका विकास एवं

सबका विश्वास इस मूलमंत्र को धारण कर पार्टी के हित में कार्य करते चलें।

अटलजी ने दिया किसान क्रेडिट कार्ड , पीएम ग्राम सड़क

अटल जी ने किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए किसानों को महंगे ब्याज से मुक्ति दिलाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड प्रारंभ किया ग्रामीण क्षेत्रों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना प्रारंभ की गई जिसका लाभ आज करोड़ों किसानों और ग्रामीणों को मिल रहा है। इसके अलावा उन्होंने हर बार के लिए योजनाएं अटल जी के समय प्रारंभ हुई जो आज भी चल रही है।

कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में निर्भीक होकर काम करने वाल लगभग एक दर्जन के करीब कार्यकर्ताओं का भाजपा पटका एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। पूर्व जनपद अध्यक्ष जितेन्द्र वघेल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ भाजपा नेता महेन्द्रसिंह दांगी एवं आभार झार सिंह दांगी ने व्यक्त किया।

टीवी पर देखा पीएम का लाइव कार्यक्रम

विधायक ने ग्रामवासियों के साथ टी.वी. के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव कार्यक्रम का लाईव कार्यक्रम देखा इसमें अटल जी के जन्म शताब्दी बर्ष पर खजुराहो में लगभग 44 हजार करोड़ की लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। यह परियोजना आने वाले समय में घर-घर पानी पहुंचाने के साथ किसने की भूमि को संचित करने में महत्वपूर्ण भूमिक निवाई की इसका फायदा सभी को मिलेगा ।इस दौरान पूर्व सरपंच वीरेन पालीवाल आदि मौजूद थे।

नगर मंडल में भी हुआ कार्यक्रम

इसी तरह भाजपा नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया तथा कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में पहुंचकर गरीबों को फल मिठाई ,भोजन आदि का वितरित किया गया। साथ ही इनके चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करके अटल जी को नमन करते हुए उनके कामों को याद किया एवं उनके बताएं पथ पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू , उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ, नगर मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाहा सुमंत मित्तल संजय सोनी आदि मौजूद थे।

भारत की वापसी, ऑस्ट्रेलिया का 246 रनों पर गिरा पांचवां विकेट

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में चल रहा है चौथा टेस्ट मैच

मेलबर्न. एजेंसी

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया चौथा टेस्ट मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है. सीरीज अभी एक-एक से बराबरी पर है. तीसरे सेशन में भारत की दमदार वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया का 246 रनों पर गिरा पांचवां विकेट गिर गया है। 246 रनों पर ऑस्ट्रेलिया का पांचवां विकेट गिर गया है. मिचेल मार्श 13 गेंद में चार रन बनाकर पवेलियन लौटे. उन्हें जसप्रीत बुमराह ने आउट किया. 237 रनों पर ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट थे. 9 रनों की भीतर तीन विकेट गिरे हैं. 240 रनों पर ऑस्ट्रेलिया का चौथा विकेट गिर गया है. ट्रेविस हेड खाता खोले बिना ही आउट हुए. बुमराह ने उन्हें बोल्ड किया. वह बुमराह की गेंद लीव कर रहे थे, लेकिन बाउंस को समझ नहीं सके. बुमराह की यह दूसरी सफलता है. 237 रनों पर ऑस्ट्रेलिया का तीसरा विकेट गिर गया है. मार्नस लाबुशेन 72 रन बनाकर पवेलियन लौटे. वह वाशिंगटन सुंदर की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में कैच आउट हुए. अभी तक आउट हुए तीनों बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़े हैं. स्टीव स्मिथ 60 गेंद में पांच चौकों की मदद से 41 रन पर पहुंच गए हैं. मार्नस लाबुशेन 140 गेंद में 69 रनों पर हैं. वह सात चौके लगा चुके हैं. दोनों के बीच 79 रनों की साझेदारी हो चुकी है. ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 233 रन है.

बता दें ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 221 रन हो गया था। मार्नस लाबुशेन 130 गेंद में 66 रन पर खेल रहे हैं. वह सात चौके लगा चुके हैं. स्टीव स्मिथ 47 गेंद में 32 रन पर हैं. उनके बल्ले से 4 चौके निकले हैं. दोनों के बीच 67 रनों की साझेदारी हो चुकी थी। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 208 रन हो गया था। मार्नस लाबुशेन 121 गेंद में 58 रन पर खेल रहे हैं. वह सात चौके लगा चुके हैं. स्टीव स्मिथ 43 गेंद में 27 रन पर हैं. उनके बल्ले से 4 चौके निकले हैं. दोनों के बीच 54 रनों की साझेदारी हो चुकी थी। मार्नस लाबुशेन ने 114 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया है. वह 118 गेंद में 56 रन पर हैं. उनके बल्ले से अब तक 7 चौके निकले हैं. स्टीव स्मिथ 34 गेंद में दो चौकों के साथ 19 रन पर हैं. दोनों के बीच 72 गेंद में 43 रनों की साझेदारी हो चुकी है. ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 197 रन थे। मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ भी जम गए हैं. लाबुशेन 109 गेंद में 44 रन पर हैं. वह 5 चौके लगा चुके हैं. स्टीव स्मिथ 25 गेंद में 10 रन पर हैं. वह एक चौका लगा चुके हैं. इससे पहले उस्मान ख्वाजा 57 और सैम कोंस्टस 60 रन बनाकर पवेलियन लौटे.

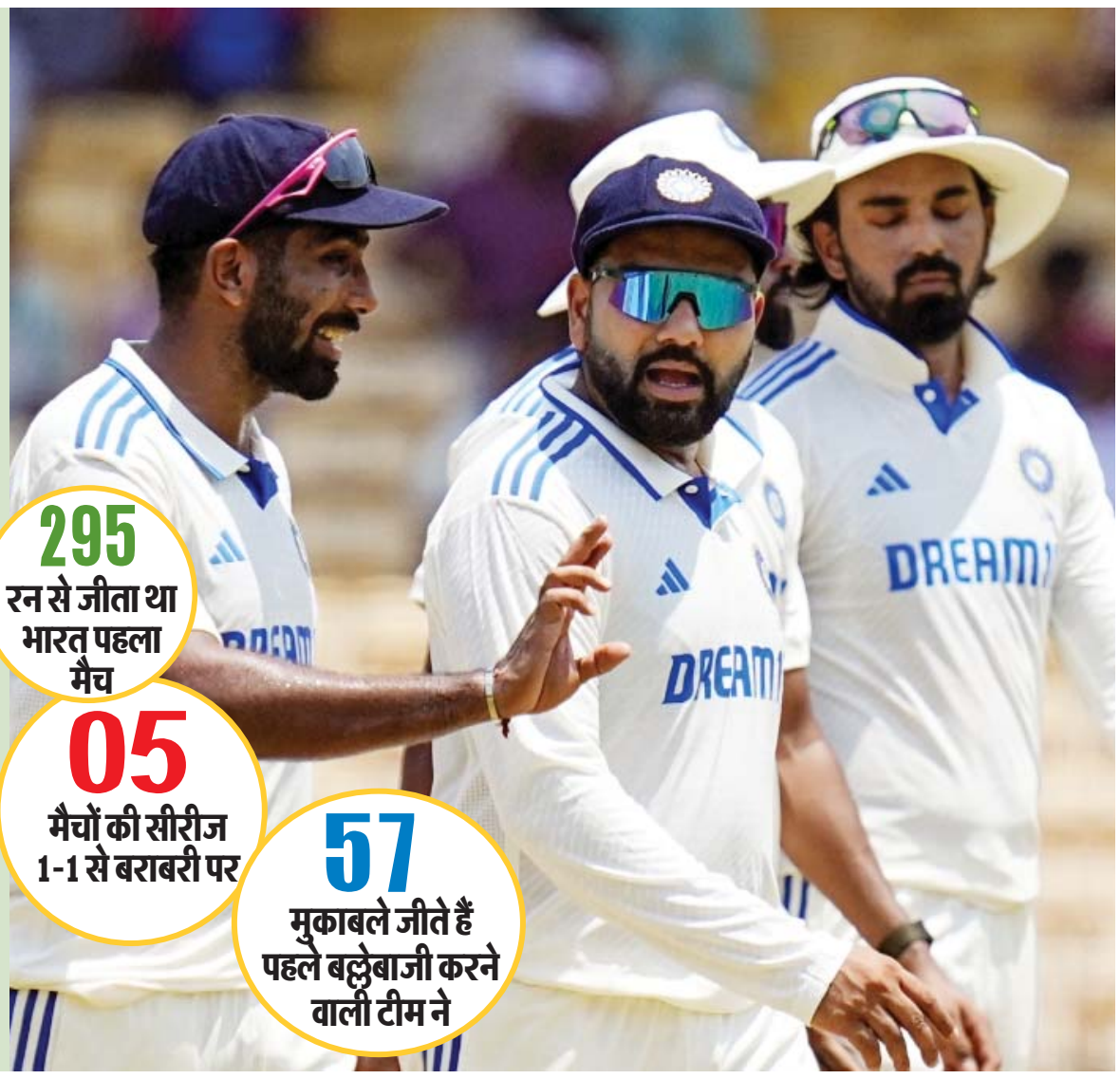

मेट्रो बाजार

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के अस्थायी कर्मियों को बीमा-पेंशन का लाभ!

तैयारी: कमेटी ने मसौदा किया तैयार, 1.50 करोड़ गिग वर्कर्स को मिलेगी सामाजिक सुरक्षा

नईदिल्ली. एजेंसी

ई-कॉमर्स, डिजिटल प्लेटफार्म्स पर कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे अस्थायी कर्मचारियों (गिग वर्कर्स), कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़कर अन्य तरह की सेवा देने वाले करीब 1.50 करोड़ कामगारों को केंद्र सरकार सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने की तैयारी में है। गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ देने के लिए केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की तरफ से गठित कमेटी ने सभी पक्षों से विचार-विमर्श के बाद मसौदा तैयार किया है, जिसे जल्द ही सरकार को सौंपा जाना है। सूत्रों का कहना है कि कमेटी और मंत्रालय इस पक्ष में हैं कि काम के बदले भुगतान के आधार पर रखे गए कर्मचारियों को संगठित क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों की तरह ही सामाजिक सुरक्षा से जुड़े लाभ दिए जाएं। अभी तक कमेटी ने ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म को संचालित कर रही कंपनियों के प्रमुख एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, प्लेटफॉर्म वर्कर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों और इस मुद्दे पर बेहतर अनुभव रखने वाले नॉलेज पार्टनर यानी विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की है। सूत्र बताते हैं कि कंपनियां अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिए जाने पर सहमत हैं। 20 रुपए का प्रीमियम जमा करने पर किसी दुर्घटना में मृत्यु या अपंग होने पर सुरक्षा बीमा योजना के तहत 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। 436 रुपए सालाना प्रीमियम देने पर जीवन ज्योति योजना में व्यक्ति की किसी भी कारण से मृत्यु होने पर आश्रित को एकमुश्त 2 लाख रुपए दी जाती है।

मुनाफे में आई बीमा कंपनियां, क्लेम सेटलमेंट रेश्यो घटकर 86 फीसदी पर आया

नई दिल्ली. एजेंसी

बीमा क्लेम रिजेक्ट होने के मामले बढ़े हैं। इंश्योरेंस ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आइबीएआइ) की रिपोर्ट के मुताबिक, बीमा कंपनियों का क्लेम-टू-सेटलमेंट रेश्यो 2022-23 में घटकर 86त्न पर आ गया, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 87 फीसदी था। यानी 2022-23 में क्लेम अप्रूवल में कमी देखने को मिली। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इस दौरान जनरल इंश्योरेंस में क्लेम रिजेक्शन का रेश्यो बढ़कर 6 फीसदी हो गया है। इसमें मोटर, हेल्थ, फायर और मरीन कार्गो के लिए कवरेज शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी बीमा कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस का प्रदर्शन शानदार रहा। कंपनी का क्लेम रिजेक्शन रेश्यो सबसे कम 0.2 फीसदी है। प्राइवेट सेक्टर की एचडीएफसी एर्गो, फ्यूचर जनरली, आदित्य बिड़ला हेल्थ और श्रीराम एश्योरेंस जैसी कंपनियां भी अपने क्लेम रिजेक्शन अनुपात कम रखने में कामयाब रहीं। हेल्थ एश्योरेंस कैटेगरी हेल्थ एश्योरेंस कैटेगरी में भी न्यू इंडिया एश्योरेंस 95त्न क्लेम सेटलमेंट अनुपात के साथ सार्वजनिक बीमा कंपनियों में टॉप पर रही। जबकि स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में आदित्य बिड़ला हेल्थ 95त्न के साथ सबसे आगे है। इसी तरह क्लेम सेटलमेंट रेश्यो के मामले में इफ्को टोकियो और बजाज आलियांज प्राइवेट सेक्टर की टॉप कंपनियों में शामिल हैं।

टेनिस पर फिर छाया डोपिंग का साया इस साल तीन खिलाड़ी हो चुके निलंबित

जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से भी बाहर हो सकते हैं पर्सेल

लंदन. एजेंसी

साल 2024 में टेनिस के एक और खिलाड़ी पर डोपिंग के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के पुरुष युगल खिलाड़ी मैक्स पर्सेल ने नियमों के उल्लंघन की बात स्वीकार की है, जिसके बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इससे पहले साल के शुरुआत में विश्व नंबर एक पुरुष एकल खिलाड़ी जेनिक सिनर और दूसरे नंबर की महिला एकल खिलाड़ी इगा स्विटेक भी नियमों के उल्लंघन के दोषी पाए गए थे। बीते कुछ सालों में टेनिस में डोपिंग के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें खिलाड़ी डोप में पॉजिटिव आए हैं।

अनजाने में ली प्रतिबंधित दवा... पर्सेल ने स्वीकारा कि उन्होंने विश्व डोपिंग एजेंसी (वाडा) के नियम तोड़े हैं। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने बताया कि उन्होंने अनजाने में 100 मिलीलीटर से

अधिक मात्रा में विटामिन का सेवन किया था जो कि वाडा द्वारा तय सीमा से ज्यादा थी। पर्सेल ने पिछले सप्ताह अपनी मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद अंतरराष्ट्रीय टेनिस एजेंसी (आइटीआइए) को सूचित कर दिया था। पर्सेल को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन की बात स्वीकार करने के बाद अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

सिनर और स्विटेक पर भी लगा था प्रतिबंध: इस साल शीर्ष वरीय खिलाड़ी इटली के सिनर और पोलैंड की महिला एकल खिलाड़ी स्विटेक पर भी डोपिंग नियमों के उल्लंघन के लिए प्रतिबंध लगाया गया था। सिनर इस साल मार्च में दो बार डोप टेस्ट में फेल हुए थे। हालांकि उन्होंने जानबूझकर प्रतिबंधित दवाओं के सेवन से इनकार किया था। उन्होंने इसके लिए कोर्ट ऑफ ऑर्बिट्रेशन फोर स्पोर्ट्स में अपील भी की है। वहीं स्विटेक ने अगस्त में प्रतिबंधित दवा के सेवन की दोषी पाए जाने के बाद एक महीने का निलंबन स्वीकार कर लिया था।

12 दिसंबर से प्रभावी होगा निलंबन: पर्सेल ने कहा, यह खबर मेरे लिए परेशान करने वाली थी। मैंने आइटीआइए को इस मामले के बारे में खुद ही सूचित कर दिया था। मैं इस पूरे मामले में पारदर्शिता बरत रहा हूं। डोप पॉजिटिव पाए जाने के बाद पर्सेल को किसी भी टेनिस टूर्नामेंट में खेलने, कोचिंग देने या उसमें भाग लेने के लिए अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

अंडर-19 महिला विश्व कप 18 जनवरी से होगा आगाज

15 सदस्यीय टीम में निकी को कमान

मुंबई, एजेंसी। भारत ने अगले साल 18 जनवरी से दो फरवरी तक मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाले आइसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की महिला चयन समिति ने टीम की घोषणा की जिसका नेतृत्व निकी प्रसाद करेंगी, जबकि सानिका चालके उप-कप्तान होंगी। भारतीय टीम ने हाल में निकी की कप्तानी में अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीता है। भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन के तौर पर टूर्नामेंट में उतरेगी।

यह रहेंगे भारतीय टीम में शामिल: निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके, जी तृषा, कमलिनी जी, भाविका अहीर, ईश्वरी आवसरे, मिथिला विनोद, जोशिता वी जे, सोनम यादव, परिणीता सिसोदिया, केसरी दृष्टि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम व वैष्णवी।

कबड्डी: अनूप और अजय की वापसी

पीकेएल मेलबर्न रेड में खेलेंगे प्रो कबड्डी के दिग्गज खिलाड़ी

पुणे. एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के जॉन कैन एरिना में शनिवार से शुरू होने वाले पीकेएल मेलबर्न रेड में प्रो कबड्डी के अजय ठाकुर, परदीप नरवाल, अनूप कुमार, राकेश कुमार, मनिंदर सिंह, सचिन तंवर और अन्य दिग्गज खिलाड़ी खेलेंगे। इसमें चार टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें भारत की पीकेएल ऑल स्टार माविरिक्स, पीकेएल ऑल स्टार मास्टर्स और प्रो कबड्डी ऑल स्टार्स और ऑस्ट्रेलिया की आसीज रेडर्स शामिल हैं। पहला मैच माविरिक्स और ऑल स्टार मास्टर्स के बीच होगा, जबकि दूसरा ऑल स्टार्स व आसीज रेडर्स के बीच खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों को जोड़ना है लक्ष्य: पीकेएल मेलबर्न रेड कबड्डी इवेंट के पीछे आयोजकों का लक्ष्य ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों को इस खेल से जोड़ना है। अजय ठाकुर, प्रदीप नरवाल और अनूप कुमार की मौजूदगी से यह इवेंट रोमांचक होने की उम्मीद है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

अर्जुन के 'मैं सिंगल हूं...' बयान पर मलाइका बोलीं- 'ये उनकी समझ है'...

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर कई साल रिलेशनशिप में रहे। दोनों के प्यार के चर्चे मीडिया की सुर्खियां बने। दोनों की बॉन्डिंग और प्यार देख फैंस इनकी शादी के कयास लगा ही रहे थे कि खबरें ब्रेकअप की आ गईं। दोनों की राहें अब जुदा हैं। फिल्म सिंघम 3 के प्रमोशन के दौरान अर्जुन कपूर अपना रिलेशनशिप स्टेटस स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा था, मैं अब सिंगल हूं। एक्टर की इस टिप्पणी पर हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने प्रतिक्रिया दी है। मलाइका ने अर्जुन के खुद को सिंगल बताने के कमेंट पर रिएक्ट किया है। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी निजी जिंदगी के कुछ पहलुओं को निजी रखना पसंद करती हैं। मलाइका ने ई-टाइम्स के साथ बातचीत में यह कहा। मलाइका ने कहा, मैं अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करने के लिए कभी भी पब्लिक प्लेटफॉर्म नहीं चुनूंगी। अर्जुन ने जो भी कहा, वह उनकी समझ है। उनका विशेषाधिकार है। मलाइका अरोड़ा ने अपनी जिंदगी की पिछली चुनौतियों का भी जिक्र किया। हालांकि, आने वाले वक्त के लिए वे सकारात्मक रुख अपनाए दिखीं। मलाइका ने कहा कि यह सभी के लिए आगे बढ़ने और नए साल को अपनाने का समय है। जिंदगी में उनके लिए नए सिरे से शुरुआत के संकेत हैं। अर्जुन कपूर नवंबर में रिलीज हुई फिल्म सिंघम 3 में नेगेटिव रोल में नजर आए। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान वे दिल्ली के एक इवेंट में शामिल हुए। उन्हें देखकर लोगों ने मलाइका का नाम लेना शुरू कर दिया। इस पर अर्जुन कपूर ने कहा था, नहीं अब मैं सिंगल हूं, रिलैक्स करो। यूं तो दोनों के ब्रेकअप की खबरें काफी वक्त से चल रही थीं। लेकिन, अर्जुन कपूर के इस बयान के बाद दोनों का ब्रेकअप कंफर्म हो गया था।

बचपन को याद कर वरुण धवन बोले- अपने भाई के हाथ पर सिर रखकर सोता था

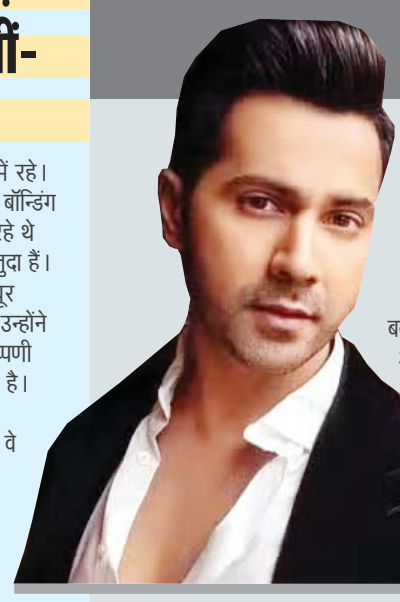

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने अपने भाई और उनके साथ बीते बचपन को याद किया है। उन्होंने कहा कि वे बचपन में भाई के साथ एक ही कमरे में रहते थे। बॉलीवुड के सितारे और आज ही रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन में नजर आ रहे वरुण धवन ने हाल ही में अपनी लाइफ और बचपन की याद साझा की है। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक वन बेडरूम फ्लैट में रहकर की, अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने बड़े भाई और परिवार के साथ एक मिडिल क्लास फैमली की तरह समय बिताया है। उनके माता पिता ने उनका बहुत ध्यान रख रही है। वरुण ने बताया कि उनका परिवार तब एक बेडरूम वाले फ्लैट में रहता था। मैं और मेरा भाई 7-8 की उम्र तक एक ही कमरे में रहते थे, जो हमारी जिंदगी का सबसे अच्छा समय था। हम साथ में सोते थे, मुझे अपने भाई के हाथ पर सिर रखकर सोने की आदत थी। एक यूट्यूब चैनल के साथ बातचीत में वरुण धवन से पूछा गया कि कि उन्होंने भी कभी गरीबी का सामना किया है। वरुण ने साझा किया, मेरे पिता जीवन में आगे बढ़ गए हैं... वे कानपुर से मुंबई आए थे। हम एक बेडरूम के फ्लैट में रहते थे लेकिन वह गरीबी नहीं थी क्योंकि जिस तरह से मेरे माता-पिता ने मुझे पाला था... मैं एक सपनों की दुनिया में था।

वरुण के जन्म पर खरीदी थी कार: वरुण ने कहा, एक निर्माता से एक निर्देशक की जिंदगी अलग हो सकती है। मेरे पिता निर्देशक हैं और उस समय जब वे अपने करियर की शुरुआत कर रहे थे। वे निर्माता नहीं थे क्योंकि ये बहुत चिंता देता है।

सलमान को अब मिला ऋतिक रोशन का साथ

सलमान खान और ऋतिक रोशन फिल्म इंडस्ट्री के दो सबसे बड़े और चमकते सितारे हैं। दोनों दशकों से कई हिट प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें कभी भी स्क्रीन शेयर करने का मौका नहीं मिला। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि दर्शकों को दोनों कलाकारों को पर्दे पर किसी प्रोजेक्ट में साथ देखने का मौका मिल सकता है और इसको आसान बनाने के पीछे अली अब्बास जफर का हाथ है। ऋतिक रोशन ने 1995 में अपने पिता राकेश रोशन द्वारा निर्देशित

सलमान खान और शाहरुख खान की फिल्म करण अर्जुन में बतौर सहायक निर्देशक काम किया था। 'कहो ना प्यार है' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने से पहले उन्होंने सलमान के साथ ट्रेनिंग भी ली थी, लेकिन किस्मत से उन्होंने कभी भी स्क्रीन पर साथ काम नहीं किया। भले ही दोनों अभिनेता एजेंट टाइगर और एजेंट कबीर के रूप में वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक शाहरुख खान और सलमान खान जैसे क्रॉसओवर सीन नहीं किए हैं। हालांकि, अब यह सब बदल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान और ऋतिक रोशन पहली बार एक्शन से भरपूर विज्ञापन फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं। बताया गया कि बड़े पर्दे पर साथ काम करने की तमाम कोशिशों के बाद एक कॉरपोरेट दोनों सुपरस्टार्स को एक्शन से भरपूर विज्ञापन के लिए साथ लाया है। विज्ञापन फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और यह जल्द ही ऑन एयर होगी।

दो पक्षों के बीच हुआ था विवाद, पथराव के अलावा तलवार और डंडे लेकर आमने-सामने आए थे लोग

पुराना गल्ला मंडी बनी छावनी
एहतियात के लिए तैनात पुलिस फोर्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित पुरानी गल्ला मंडी में मंगलवार सुबह दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रकरण में अब तक कुल 14 लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को गौर से देखकर आरोपियों की पहचान कर रही है। बुधवार को हालात सामान्य नजर आए, लेकिन ऐहतियात के तौर पर पुलिस ने बेरीगेड्स लगाकर कर्मचारियों को तैनात कर रखा है, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो सके।

तीन पाइंट पर 60 पुलिसकर्मी तैनात

पुलिस ने तीन पाइंट पर यहां 60 पुलिसकर्मियों को तैनात कर रखा है। पुलिस की चप्पे चप्पे पर नजर हैं। जिस सड़क पर विवाद हुआ था उस सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। यहां बेरिगेटिंग लगाई गई। दरअसल, विवाद रविवार से शुरू हुआ था। तेजी से बाइक

निकालने के बाद पर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के युवक को पीट दिया था। यही विवाद मंगलवार को बड़ गया और दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। मंगलवार को हुए विवाद के बाद 14 अन्य लोगों पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था, जिनमें 2 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी थी। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुरानी गल्ला मंडी में हुए विवाद के बाद अभी भी खोफ का माहौल है। जहांगीराबाद थाना प्रभारी आशुतोष उपाध्याय का कहना है कि अभी हालात काबू में और जब तक हालात पूरी तरह से सामान्य नहीं हो जाते तब पुलिस मौके पर तैनात रहेगी। वहीं मामले में फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

यह है मामला: शाहवर उर्फ माईकल (30) लक्ष्मीगंज गल्ला मंडी के पास रहता है और इलेक्ट्रिक आटो चलाता है। मंगलवार सुबह करीब साड़े 10 बजे वह किराने की दुकान पर सामान लेने जा रहा था, तभी सरदार मोहल्ले में रहने वाले लोगों ने उसे घेर लिया और दो दिन पहले हुए विवाद को लेकर मारपीट करने लगे। दरअसल दो दिन पहले एक युवक की तरफ से माईकल समेत पांच लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज करवाया गया था। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया था, जबकि माईकल और उसका साथी फरार थे। फरार माईकल को मोहल्ले वालों ने देखा तो वह लाठी-डंडा और तलवार लेकर उस पर टूट पड़े। जान बचाने के लिए माईकल दौड़कर अपने घर पहुंचा तो लोगों ने घर में घुसकर मारपीट कर दी। इस दौरान बीच-बचाव करने आई उसकी मां समेत तीन अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की गई। विवाद के दौरान इलाके में पहले से पुलिस तैनात थी। पुलिस ने विवाद रोकने का प्रयास किया, लेकिन विवाद बड़ने लगा और कंट्रोल रूम से फोर्स बुलाना पड़ा था।

वन विभाग से रिटायर्ड अधिकारी का मोबाइल झपटकर भागे स्कूटर सवार, मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित बागमुगलिया इलाके में वन विभाग से रिटायर्ड अधिकारी के हाथ से स्कूटर सवार बदमाशों ने मोबाइल झपट लिया। झपटे गए मोबाइल की कीमत 20 हजार रुपए बताई गई है। घटना से करीब एक घंटे पूर्व ही बदमाशों ने कृष्णा मार्केट बागमुगलिया में साइकिल सवार दसवीं कक्षा के छात्र से मोबाइल झपटा था। पुलिस ने इस मामले में दो संदेहियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार आनंद प्रताप सिंह (65) प्लैटिनम प्लाजा, बागमुगलिया में रहते हैं और वन विभाग के रिटायर्ड हैं। रविवार की रात करीब पौने 8 बजे आनंद घर के पास अस्सी फीट रोड पर टहल रहे थे। इसी बीच इलेक्ट्रिक स्कूटर पर सवार दो बदमाशों ने उनके हाथ से 20 हजार रुपए का मोबाइल छीन लिया और भाग निकले। पुलिस ने इस मामले में संदेही रोहित अहिरवार और जीतेंद्र जाट को हिरासत में लिया है। उनके पास से लाल रंग की एक स्कूटर और लूटा गया मोबाइल बरामद किया गया है।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित सतनामी नगर सोनागिरी में बुधवार शाम एक नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरीड़भेज दिया है। पुलिस ने फांसी लगाने वाला कमरा सील कर दिया है। ग्वालियर से भोपाल पहुंचे मायके पक्ष के समक्ष आज मृतिका का पीएम कराया गया। पीएम के बाद पुलिस सील हुए कमरे का निरीक्षण कराएगी। पुलिस के अनुसार पूजा यादव पति हेमंत यादव (28) सतनामी नगर, सोनागिरी में रहतीड़थी। मूलत- ग्वालियर निवासी पूजा यादव की शादी वर्ष 2019 में हेमंत यादव से हुईड़थी। हेमंत यादव प्राइवेट बैंक में नौकरी करता है, जबकि पूजा गृहणी थी। हेमंत ने पुलिस को बताया कि बुधवार शाम वह बाहर से घर लौटा तो पूजा अपने कमरे में फांसी लगा चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरा सील करते हुए पूजा का शव पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मायके पक्ष के बयान के बाद ही आत्महत्या की वजह का पता चल सकेगा। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को सौंपी गई है।

जांच एजेंसियों से अनुमति लिए बिना नहीं जा सकेगा विदेश

परिवहन के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा पर लुक आउट नोटिस जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को लुक आउट नोटिस जारी किया है। गत दिनों उसके ठिकानों पर छापेमारी के दौरान करोड़ों की संपत्ति मिली थी। इसके बाद सर्कुलर जारी किया गया। जांच एजेंसियों को फिलहाल उसकी लोकेशन के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है, पर पहले दिन से ही कहा जा रहा है कि वह दुबई में है। लुक आउट नोटिस जारी होने के बाद सौरभ को देश के किसी भी एयरपोर्ट से हिरासत में ले लिया जाएगा। अगर वह देश में ही कहीं पर मौजूद है तो देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकेगा।

जानकारी के अनुसार लोकायुक्त के सौरभ के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी। शिकायत की जांच के बाद लोकायुक्त टीम ने बीती 19 दिसंबर को उसके अरेरा कालोनी स्थित मकान और कार्यालय पर छापा मार कार्रवाई की थी। टीम को उसके ठिकाने से करीब 50 लाख रुपए के आभूषण, करीब पौने 3 करोड़ रुपए की नगदी के अलावा संपत्ति संबंध दस्तावेज मिले थे। उसकी कुल संपत्ति 8 करोड़ के आसपास होने की बात सामने आई है। आयकर की टीम उसी समय रियल स्टेट कारोबारियों के यहां छापामार कार्रवाई कर रही थी। इस दौरान आयकर विभाग को सूचना मिली कि मेंडोरा के जंगल में एक इनोवा कार लावारिश खड़ी है।

52 किलो सोना हुआ था बरामद: इनोवा में 52 किलोग्राम सोना और 11 करोड़ रुपए की नगदी मिली थी। इनोवा कार का मालिक चेतन सिंह गौर है, जो सौरभ शर्मा का साथी है और उसी के कार्यालय में रहता है। उसके बाद यह माना जा रहा है कि कार से बरामद हुआ सोना और नकदी भी सौरभ शर्मा की ही है। आयकर विभाग और लोकायुक्त ने जब सौरभ शर्मा की तलाश की तो पता चला कि वह फरार है। वह देश छोड़कर बाहर नहीं भाग सके या फिर विदेश से देश में लौटता है तो उसे पकड़ने के लिए लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। एंजेसियों के आग्रह पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह नोटिस जारी कर दिया है। लोकायुक्त ने सौरभ, उसकी मां, पत्नी, साथी चेतन सिंह और शरद जायसवाल के खिलाफ पूछताछ के लिए पहले ही समन जारी कर दिया था।

अनुकंपा नियुक्ति छोड़कर रियल स्टेट में उतरा था सौरभ: सौरभ को परिवहन विभाग में वर्ष 2016 में अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। नौकरी में रहते हुए उसने काली कमाई करनी शुरू कर दी थी, जिसकी शिकायतें विभाग तक पहुंचने लगी थी। शिकायत होने के बाद जून 2023 में उसने नौकरी छोड़ दी और रियल स्टेट में उतर आया था। शहर के कई बड़े बिल्डरों के साथ ही उसने अपनी पैठ बना रखी थी। काली कमाई से खरीद लेता था सोना-चांदी सौरभ शर्मा के साथी चेतन सिंह गौर से हुई पूछताछ में खुलासा हुआ कि सौरभ शर्मा हर महीने मिलने वाली काली कमाई से सोना और चांदी खरीद लेता था।

ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से परेशान होकर लगाई थी फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया इलाके में रहने वाली एक महिला की आत्महत्या मामले में पुलिस ने ससुराल पक्ष के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार सौरम मालवीय (30) मूलत- इच्छावर जिला सीहोर की रहने वाली थी। करीब 9 साल पहले उसने महेश पुरी नामक युवक से प्रेम विवाह किया था। पहले तो दोनों के परिवार इस विवाह को लेकर राजी नहीं हुए, लेकिन बाद में वह मान गए थे। सौरम यहां ट्रांसपोर्ट नगर स्थित कोकता मल्टी बिलखिरिया में रहती थी और गृहणी थी, जबकि पति महेश पुरी वल्लभ भवन में प्रायवेट काम करता है। करीब चार महीने पहले सौरम मालवीय ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि ससुराल पक्ष महिला को जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने लगे थे और पति भी उससे छुटकारा पाने की बात कहता रहता था। पीड़िता ने कुछ साल पहले महिला थाने में शिकायत भी की थी। मायके वालों के बयान के बाद पुलिस ने पति महेश पुरी के साथ ही ससुराल पक्ष के जीवन पुरी, मदन पुरी, अजब पुरी और दिनेश पुरी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

ऑटो की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में रॉग साइड चल रहे एक तेज रफ्तार आटो ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक घायल हो गया। उसे इलाज के लिए डीआईजी बंगला स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार हिवजन पुत्र हलीम मूलत- विदिशा का रहने वाला है। फिलहाल वह बड़वाली मस्जिद के पास जहांगीराबाद में रहता है और सिलाई का काम करता है। गत दिवस हिवजन अपनी मोटर सायकिल से चौक बाजार से घर लौट रहा था। वह जैसे ही डीमार्ट के सामने पहुंचा, वैसे ही रॉग साईड से आ रहे एक लोडिंग आटो ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही हिवजन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर और शरीर में गंभीर चोट आई है। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने टक्कर मारने वाले आटो चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर फरियादी के सामने अपर बर्थ पर लेटे यात्री पर संदेह

नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन में यात्री के सवा तीन लाख के आभूषण चोरी, प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन में जबलपुर से इंदौर की यात्रा कर रहे परिवार के दो ट्राली बैग चोरी हो गए। एक ट्राली बैग में सोने-चांदी के आभूषण व नगदी समेत तीन लाख 18 हजार रुपए का सामान रखा था। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब रानी कमलापति स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर फरियादी की नींद खुली। जीआरपी थाना भोपाल ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेलवे पुलिस के मुताबिक मूलरूप से रेती मंडी चौराहा राजेन्द्र नगर इंदौर निवासी विवेक विशाल (36) विगत 19 दिसंबर को नर्मदा एक्सप्रेस से पत्नी प्रीति विशाल व बेटी अकिशा विशाल के साथ जबलपुर से इंदौर की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान उनके साथ 4 ट्राली बैग व दो सामान्य बैग समेत कुल 6 बैग थे। रात करीब 12 बजे वो लोग अपने बैग बर्थ के नीचे रखकर सो गए। फरियादी ने बताया कि उनके सामने अपर बर्थ पर एक व्यक्ति लेटा था जो बार-बार बैगों की ओर देख रहा था। सुबह करीब सवा छह बजे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर विवेक विशाल की नींद खुली। उन्होंने देखा कि सामने की अपर बर्थ पर लेटा संदिग्ध अपनी बर्थ पर नहीं था। चैक करने पर एक लाल रंग का ट्राली बैग और एक भूरे रंग का ट्राली बैग नहीं मिला। लाल रंग के ट्राली बैग में सोने-चांदी के आभूषण व पांच हजार रुपए नगदी समेत तीन लाख 18 हजार रुपए का सामान रखा था जबकि दूसरे ट्राली बैग में इस्तेमाली कपड़े थे। फरियादी ने बताया कि ट्रेन रनिंग होने के कारण वह घटना की सूचना रानी कमलापति स्टेशन पर नहीं दे पाए। यात्रा समाप्त होने पर जीआरपी थाना इंदौर को घटना की सूचना दी। जीआरपी इंदौर ने शून्य पर प्रकरण दर्ज कर मामला जीआरपी थाना रानी कमलापति को ट्रांसफर कर दिया है।

अन्य यात्रियों का भी मोबाइल चोरी: इसी प्रकार भोपाल निवासी घनश्याम दास भावसार कामायनी एक्सप्रेस में बनारस से रानी कमलापति स्टेशन की यात्रा कर रहे थे। रानी कमलापति स्टेशन पर उतरने के दौरान पता चला कि उनकी जेब में रखा 27 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन गायब है. तबीयत खराब होने के कारण उस वक्त वह घर चले गए और अगले दिन जीआरपी पहुंच कर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सीट के नीचे रखा ट्राली बैग चोरी भोपाल निवासी रमेश कुमार वर्मा सोमनाथ एक्सप्रेस में सोमनाथ से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने अपना ट्राली बैग सीट के नीचे रखा था. भोपाल स्टेशन के आउटर पर नजर पड़ी तो ट्राली बैग नहीं था। चोरी गए बैग में कपड़े समेत करीब 7 हजार का सामान रखा हुआ था. इसी प्रकार बलसाड़ से सासुगुड़ा की यात्रा कर रहे जेवियर की जेब से किसी ने तीन हजार रुपये निकाल लिए। वह स्लीपर कोच में यात्रा कर रहे थे। जेब से निकाला 25 हजार का मोबाइल भोपाल निवासी प्रीत सरलाम अपनी बहन के साथ मंगला एक्सप्रेस में भोपाल से खंडवा की यात्रा कर रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन से ट्रेन चलने के कुछ देर बाद ही किसी ने उनकी जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा विद्युत (निर्माण) शाखा
निविदा क्रमांकः जबल/एलसी/टी/2024/06

कार्यकारी विद्युत इंजी.(निर्माण) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से ई–टेंडर आमंत्रित किया जाता है जिनके पास वैध 'A' श्रेणी का विद्युत लाइसेंस जो कि किसी भी राज्य सरकार द्वारा जारी किया गया हो (अपने फर्म के नाम पर या अपने नाम पर यदि सोल प्रोपराइटर या किसी एक पार्टनर के नाम पर हो) निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाइन प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएगें इस ठेका के विरूद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और ऐसा प्राप्त मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा। **निविदा सूचना क्रमांकः** जबल/एलसी/टी/2024/06 दिनांकः 20.12.2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** ललितपुर – सिंगरौली नई रेल लाइन परियोजना के संबंध में जबलपुर मंडल, पश्चिम–मध्य रेलवे के चुरहट–सीधी तथा शेष कार्य बघवार–चुरहट नई लाइन खंड में 2x25 केवी, एसी 50 हर्ट्ज ओएचई विद्युतीकरण प्रणाली की डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।, **निविदा का अनुमानित मूल्य(कीमत रूपये में):** 18,55,02,151.00/–, **निविदा फार्म की कीमत रूपयेः** Nil, **कार्यालय का पताः** कार्यकारी विद्युत अभियंता(निर्माण),पश्चिम मध्य रेल्वे जबलपुर, मुख्य परियोजना निदेशक कार्यालय, भूतल, म.प्र. पर्यटन भवन के सामने, जबलपुर 482001, **बिड सिक्यूरिटी (रूपये):** 10,77,500.00/–, **समापन अवधिः** 24 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समयः** 11.01.2025 (14.00 बजे तक), **निविदा खुलने की तिथि एवं समयः** 11.01.2025 (14.30 बजे तक)। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा कार्यकारी विद्युत इंजी.(निर्माण) जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

कार्यकारी विद्युत इंजी.(निर्माण), पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022